रांची, मंगलवार, 01 जुलाई 2025

संवत 2082, आषाढ़ शुक्ल 6 मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 297 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ सृजन से लोकमंगल

इटैलियन ग्लोबल सीरीज फेस्टिवल में सम्मानित हुई जैकलीन ◂◂ 6

जमशेदपुर में पेट्रोल पंप के पास गैस टैंकर में रिसाव, मचा हडकंप

बहरागोड़ा-बारिपदा एनएच को किया गया बंद

संवाददाता

जमशेदपुरः पूर्वी सिहभूम जिला के बहरागोड़ा-बारिपदा राष्ट्रीय राजमार्ग पर जामशोला के पास मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया जब जियो पेट्रोल पंप के समीप खड़े एक प्रोपलीन गैस से लदे टैंकर में रिसाव की सूचना मिली। घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन सतर्क हो गया और तुरंत आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई। सुरक्षा को देखते हुए घटना स्थल के चारों ओर बैरिकेडिंग कर क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई है। साथ ही एहतियातन बहरागोड़ा-बारिपदा एनएच मार्ग पर वाहनों की आवाजाही को पूरी तरह से रोक दिया गया है। रिसाव को नियंत्रित करने के लिए विशेषज्ञों की एक टीम मौके पर तैनात की गई है, जो लगातार स्थिति की निगरानी कर रही है।

पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नदी में जा गिरा ट्रेलर, चालक को बचाया गया

पूरी रात ट्रेलर के टायर पर बैठा रहा ड्राइवर

गिरिडीह : सोमवार की रात डुमरी-गिरिडीह रोड़ पर एक ट्रेलर बराकर नदी पर बने पुल का रेलिंग तोड़कर नदी में जा गिरा। 40 फीट नीचे नदी में गिरने के बाद ट्रेलर के ड्राइवर ने किसी तरह से जान बचाई और वो टायर के उपर जाकर बैठक गया। नदी के तेज धारा में वो घंटों फंसा रहा और बचाने की गुहार लगाता रहा। देर रात करीब डेढ़ बजे कोडरमा के जयनगर थाना क्षेत्र इलाके के काठीबस्ती का रहने वाला अकील नवाज ट्रेलर पर पाइप लोड कर बराकर नदी क्रास कर रहा था, इसी बीच उसके गाड़ी का टायर फिसल गया और ट्रेलर नदी का रेलिंग तोड़कर बराकर नदी में जा गिरा। ट्रेलर पर पाइप लोड होकर गोड्डा से गिरिडीह के रास्ते रांची जा रहा था इसी बीच हादसे का शिकार हो गया। ट्रेलर नदी में गिरने के बाद ड्राइवर किसी तरह से ट्रेलर के अंदर से बाहर निकलकर टायर पर आकर बैठ गया। उसने जान बचाने के लिए आवाज लगानी शुरू की लेकिन रात

होने की वजह से कोई उसकी आवाज नहीं सुन पा रहा था। इस बीच नदी की दूसरी तरफ से किसी ने टॉर्च की लाइट दिखायी। चूंकि वाहन से बाहर निकलने के दरमियान उसने भी टॉर्च निकाल लिया था तो उसने भी टॉर्च मारा। इसके थोड़ी देर बाद पुल पर उसके साथी भी पहुंच गए और रस्सा फेंककर उसे सहारा दिया। फिर पुलिस पहुंची और स्थानीय युवकों के साथ मिलकर उसे बाहर निकाला।

तेलंगाना फैक्ट्री ब्लास्ट में अब तक 37 की मौत ,12 लापता

- 143 कर्मचारी थे मौजूद, दो किलोमीटर दूर तक धमाके की गूंज, खिड़की-दरवाजे हिलने लगे

एजेंसी

संगारेड्डी (तेलंगाना): तेलंगाना के संगारेड्डी जिले के पाशमाईलारम औद्योगिक क्षेत्र में स्थित सिगाची केमिकल्स फैक्ट्री में सोमवार को एक रिएक्टर विस्फोट में हुई मौतों की संख्या बढ़कर 37 पहुंच चुकी हैं। 12 लोग अभी तक लापता हैं । केमिकल रिएक्टर में हुए इस विस्फोट में मृतकों की पहचान भी मुश्किल हो रही है । अभी तक सिर्फ चार शवों की पहचान हो पाई है । बाकी इतनी बुरी तरह झुलसे हैं कि उन्हें पहचान पाना मुश्किल हो रहा है । यह हादसा ड्यूटी आवर्स के दौरान हुआ, जब फैक्ट्री में कुल 143 कर्मचारी मौजूद थे। विस्फोट इतना भीषण था कि फैक्ट्री की इमारत का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और कई मजदूर अब भी मलबे में फंसे हुए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अब तक कई घायलों को बाहर निकाला गया है, जिनमें से कुछ

की हालत गंभीर बनी हुई है। दो किलोमीटर दूर तक धमाके की गूंजः धमाके से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। धमाके की आवाज करीब दो किलोमीटर दूर तक सुनाई दी, जिससे इसनापुर के निवासी दहशत में आ गए। कुछ ही क्षणों बाद सिगाची इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड की फैक्ट्री से उठते घने धुएं के गुबार ने लोगों को विस्फोट स्थल की ओर दौड़ने पर मजबूर कर दिया।

खिड़कियां-दरवाजे हिलने लगेः स्थानीय मैंने अपने घर से धुआं उठते देखा और सीधे मौके पर भागा। हममें से कुछ ने घायलों को कंपनी की मिनी बस में डालकर अस्पताल भिजवाया, इससे पहले कि अधिकारी वहां पहुंचते।

विस्फोट की तीव्रता इतनी अधिक थी कि आसपास के मकानों की खिड़कियां और दरवाजे हिलने लगे। लोगों में डर और बेचैनी फैल गई। हादसे के बाद राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया है। इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और लगभग 500 मीटर की दूरी तक लोगों की आवाजाही पर मनाही है।

पटना एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की मिली धमकी, मचा हड़कंप

एजेंसी

पटनाः राजधानी पटना के जयप्रकाश नारायण एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। यह धमकी एस्टोनिया की इंक्रिप्टेड ईमेल सर्विस कंपनी के माध्यम से भेजा गया है। सीधे पटना एयरपोर्ट के डायरेक्टर के मेल पर यह ईमेल आया है।धमकी के बाद फिलहाल इसको लेकर पटना पुलिस और आर्थिक अपराध इकाई का साइबर सेल ने जांच शुरू कर दिया है। सुरक्षा को और कड़ा कर दिया गया है। चप्पे चप्पे पर सीआईएसएफ के जवान को तैनात किया गया है। जिस तरह से यह धमकी भरा ईमेल आया है, निश्चित तौर पर सीबीआई के माध्यम से ही इसके जांच की जा सकती है। एस्टोनिया की यह इंक्रिप्टेड ईमेल सर्विस कंपनी है। यह वर्ष 2024 से ईमेल सर्विस दे रही है। यह किसी भी देश की पुलिस को सीधे जानकारी नहीं देती है। एस्टोनिया के कोर्ट के आदेश के बाद ही जानकारी देती है। यह बात कंपनी की शर्तों में लिखी है। यही नहीं पटना पुलिस को सीबीआई के माध्यम से म्युचुअल लीगल अस्सिटेंट स्टेटस के तहत जाना होगा। अगर इस ईमेल में वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) का इस्तेमाल हुआ होगा तो पुलिस के लिए धमकी देने वालों की पहचान करनी बड़ी चुनौती होगी। सबसे पहले यह पता लगाना होगा कि भारत में किन-किन लोगों ने इस ईमेल का प्रयोग किया है।

एलपीजी सिलेंडर सस्ता, रेल किराया महंगा जुलाई के पहले दिन हुए बड़े बदलाव

एजेंसी

नई दिल्लीः आज से जुलाई महीने के शुरूआत हो गई है। जुलाई का पहले ही दिन कई बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। इनमें से कुछ रहात देने वाले हैं तो कुछ का आपकी जेब पर असर होने वाला है। तो चलिए हम आपको बताते हैं कि आज पहली जुलाई को ऐसे कौन कौन से बड़े बदलाव हुए हैं।

एलपीजी गैसे सिलेंडर सस्ता हुआः बता दें कि ऑयल मार्केटिंग कंपनियां हर महीने के पहली तारीख को नई कीमतें जारी करती है। ऑयल कंपनियों ने जुलाई में सिलेंडर की कीमतों में भारी कटौती की है। हालांकि यह कटौती 19 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में हुई है, जबकि 14 किलो वाले घरेलू गैस सिलेंड के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इस नई कटौती के साथ ही राजधानी दिल्ली में 19 किलो वाला कमर्शियल गैस सिलेंडर 1723.50 रुपए से घटकर 1665 रुपए में मिल रहा है। वहीं, कोलकाता में 1826

रुपए से घटकर 1769 रुपए, मुंबई में 1674.50 से घटकर 1616.50 रुपए और चेन्नई में 1881 रुपए से घटकर 1823.50 रुपए में मिल रहा है।

रेल किराया महंगाः वहीं, दूसरा बड़ा बदलाव रेलवे में हुआ है। रेलवे ने 1 जुलाई 2025 से रेल किराया बढ़ा दिया है। इसके तहत नॉन एसी मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के किराए में 1 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरही हुई है, जबकि एसी क्लास में 2 पैसे प्रति किलोमीटर बढ़ोतरी हुई है। 500 किलोमीटर तक की यात्रा के लिए सेकंड क्लास ट्रेन की कीमतों में कोई चेंज नहीं हुआ है, हां अगर दूरी 500 किलोमीटर से अधिक है तो प्रति किलोमीटर आधा पैसा अधिक देना होगा।

इसके अलावा रेलवे ने आज से एक और बदलाव लागू किया है जो तत्काल टिकट बुकिंग से संबंधित है। इस बदलाव के तहत आज 1 जुलाई से तत्काल टिकट बुकिंग सिर्फ वही यूजर्स कर पाएंगे, जो अपना आईआरसीटीसी अकाउंट के साथ आधार कार्ट नंबर को सत्यापित कर चुके हैं।

पैन के लिए आधार जरूरी : तीसरा बड़ा बदलाव पैन कार्ड को लेकर हुआ है। दरअसल आज से पैन कार्ड अप्लाई करने वालों के लिए आधार कार्ड ऑथेंटिकेशन अनिवार्य किया जा रहा है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अनुसार आधार सत्यापन के बिना अब पैन कार्ड के लिए अप्लाई नहीं किया जा सकेगा।

भारतीय नौसेना के लिए ऐतिहासिक दिन

समंदर में आज उतरेगा दुश्मन का काल तमाल

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय नौसेना के लिए आज का दिन ऐतिहासिक बन गया है। रूस के कालिनिनग्राद में आयोजित एक भव्य समारोह में अत्याधुनिक स्टील्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट आईएनएस तमाल को नौसेना में औपचारिक रूप से शामिल कर लिया गया। इस मौके पर पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल संजय जे. सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। भारत और रूस के कई शीर्ष रक्षा अधिकारी भी समारोह में शामिल हुए। तमाल का नाम भारतीय पौराणिक कथाओं से लिया गया है, जहां यह देवताओं के राजा इंद्र की तलवार का प्रतीक माना जाता है। यह युद्धपोत भारत-रूस के मजबूत रक्षा सहयोग का प्रतीक होने के साथ-साथ हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की समुद्री शक्ति को नई ऊंचाई प्रदान करेगा। 125 मीटर लंबा और करीब 3,900 टन वजनी यह फ्रिगेट पश्चिमी नौसेना कमान के अधीन अरब सागर और पश्चिमी हिंद महासागर क्षेत्र में तैनात किया जाएगा।

यह इलाका कराची के समीपवर्ती जलक्षेत्र से लेकर भारत के पश्चिमी तट तक फैला हुआ है, जो सामरिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है। आईएनएस तमाल में 26 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी उपकरण शामिल हैं, जिनमें ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल जैसी अत्याधुनिक हथियार प्रणालियां भी शामिल हैं। ब्रह्मोस मिसाइल समुद्र और जमीन दोनों लक्ष्यों को अत्यधिक सटीकता से भेदने में सक्षम है, जिससे इस युद्धपोत की मारक क्षमता और भी अधिक प्रभावशाली हो जाती है। आईएनएस तमाल के शामिल होने से भारतीय नौसेना की ताकत में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह युद्धपोत तकनीकी श्रेष्ठता, रफ्तार, मारक क्षमता और स्टील्थ डिजाइन के साथ भारत की समुद्री सीमाओं की निगरानी और सुरक्षा में अहम भूमिका निभाएगा।

पाकिस्तान ने सिंधु जल समझौता बहाल करने के लिए लगाई गुहार

भारत ने फिर स्पष्ट किया-हमारा रुख नहीं बदलेगा

एजेंसी

नर्द दिल्लीः पाकिस्तान ने भारत से सिंधु जल संधि को बहाल करने का आग्रह किया है जिसे नयी दिल्ली ने पहलगाम आतंकवादी हमले के एक दिन बाद स्थगित करने की घोषणा कर दी थी। पाकिस्तान ने कहा कि हेग स्थित स्थायी मध्यस्थता न्यायालय का हालिया फैसला दिखाता है कि समझौता अब भी वैध और क्रियाशील है। हम आपको बता दें कि सिंधु जल संधि के प्रावधानों के तहत दो पनबिजली परियोजनाओं की डिजाइन के कुछ पहलुओं पर पाकिस्तान द्वारा आपत्ति उठाए जाने के बाद स्थायी मध्यस्थता न्यायालय में कार्यवाही चली जिसे भारत ने कभी मान्यता नहीं दी। भारत ने शुक्रवार को इस फैसले को दृढ़ता से खारिज करते हुए कहा था कि उसने पाकिस्तान

के साथ विवाद समाधान के तथाकथित ढांचे को कभी मान्यता नहीं दी है। इसके बाद पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि 27 जून को मध्यस्थता न्यायालय द्वारा सुनाए गए पूरक निर्णय ह्यह्यपाकिस्तान की इस स्थिति की पुष्टि करता है कि सिंधु जल संधि वैध और क्रियाशील है, तथा भारत को इसके बारे में एकतरफा कार्रवाई करने का कोई अधिकार नहीं है। पाकिस्तान के बयान में कहा गया, हम भारत से आग्रह करते हैं कि वह सिंधु जल संधि के सामान्य कामकाज को तुरंत बहाल करे तथा संधि के अपने दायित्वों को पूरी तरह और ईमानदारी से पूरा करे। वहीं पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इशाक डार ने एक अलग बयान में कहा कि मध्यस्थता अदालत के फैसले से यह पुष्टि हो गई है कि सिंधु जल संधि पूरी तरह वैध है। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "पाकिस्तान किशनगंगा-रातले मामले में अपने अधिकार क्षेत्र की पुष्टि करने वाले मध्यस्थता न्यायालय के पूरक निर्णय का स्वागत करता है। यह निर्णय पुष्टि करता है कि सिंधु जल संधि पूरी तरह से वैध है। भारत इसे एकतरफा रूप से स्थगित नहीं रख सकता। देशों को अंतरराष्ट्रीय समझौतों के पालन से मापा जाता है। सिंधु जल संधि को अक्षरशः और भावना, दोनों रूप से बरकरार रखा जाना चाहिए।" हम आपको यह भी बता दें कि अभी पिछले सप्ताह ही भारत के जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा था कि सिंधु जल संधि के निलंबन को रद्द करने के लिए पाकिस्तान का पत्र लिखना एक औपचारिकता भर है और इससे इस मामले में भारत का रुख नहीं बदलने वाला है। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान ने भारत को कई बार पत्र लिखकर संधि पर अपने फैसले की समीक्षा करने को कहा है। सीआर पाटिल ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा था कि सिंधु जल संधि के तहत मिलने वाला पानी कहीं नहीं जाएगा। संधि पर पाकिस्तानी नेता बिलावल भुट्टो की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर पाटिल ने कहा था कि बिलावल भुट्टो ने राजनीतिक कारणों से कई बातें कही हैं। हम आपको याद दिला दें कि पाकिस्तानी नेता ने सिंधु जल संधि को निलंबित किये जाने को लेकर हाल में भारत को धमकी दी थी। इस पर पूछे जाने पर पाटिल ने कहा, उन्होंने खून और पानी बहने की बात भी कही, लेकिन हम ऐसी खोखली धमकियों से नहीं डरते। हम आपको याद दिला दें कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया गया था।

मंडी पर कहर बन टूटा अंबर, 16 से ज्यादा लोग लापता, 4 की मौत, कई घर बाढ़ में बहे

एजेंसी

नई दिल्लीः समय से पहले आई बरसात ने हिमाचल में अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। मंडी में इस वक्त सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। जिला के विभिन्न क्षेत्रों से आई तस्वीरें बयां कर रही हैं कि बादल फटने से किस तरह की तबाही हुई है। सोमवार सुबह से जारी बारिश थमने का नाम नहीं ले रही है। मंडी के करसोग और धर्मपुर इलाके में बादल फटने से 4 लोगों की की मौत हो गई है। धर्मपुर में 2 घर बह गए हैं, जबकि पांच गोशालाएं बाढ़ की भेंट चढ़ गई हैं। बादल फटने से यहां 26 पशु मर गए हैं। करसोग में चार लोग लापता हैं, जबकि एक शव को निकाल लिया गया है। इसके अलावा 99 लोग सुरक्षित जगह

शिफ्ट किए गए हैं। धर्मपुर क्षेत्र में भी बादल फटा है। शरण गांव में बादल फटने से भारी तबाही हुई है। सिराज के बगस्याड़ समेत पूरे इलाके में बादल फटने से कई घर, गाड़ियां पानी और मलबे में दब गए। गोहर उपमंडल के स्यांज नाले में बना एक घर फ्लैश फ्लड में बह गया। यहां पर मां बेटी को बचा लिया गया, लेकिन सात लोग सैलाब में बह गए हैं। मूसलधार बारिश ने मंडी जिले में हालात बिगाड़ दिए हैं जिले के तमाम नदी-नाले उफान पर हैं, जिससे लोगों की चिंता बढ़ गई है। बाखली खड्ड पर 2008 में बना 16 मेगावाट का पटिकरी पावर प्रोजेक्ट तबाह हो गया है। भारी बारिश के अलर्ट के चलते जिला कांगड़ा के शिक्षण संस्थान मंगलवार को प्रशासन ने बंद कर दिए हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

एनके एरिया आरआर शॉप के दो सेवानिवृत्त कर्मियों को दी गई विदाई

खलारी: एनके एरिया आरआर शॉप में दो कर्मचारियों को सोमवार को सेवानिवृत्ति होने पर विदाई दी गई। इससे पूर्व परियोजना पदाधिकारी कौसर शमीम ने रबिन्द्र कुमार सिंह और ताजमूल मियाँ दोनों को बुके कर शॉल ओढ़ाकर एवं माला पहनाकर सम्मानित किया गया, उसके बाद कर्मचारियों ने भी अंग वस्त्र व कई वस्तु दे कर दोनों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर रविन्द्र कु सिंह की पत्नी मालती देवी, समधी, भाई धर्मेन्द्र कुमार सिंह,पुत्र अभिनय कुमार (एच ई सी इंजीनियर) अभिनेष कुमार (खनन विभाग पदाधिकारी रांची) दीपक कुमार (वकिल रांची) बहु पल्लवी सिंह, सत्यम सिंह (जज रांची), ताजमूल मियाँ के समधी मोहम्द जूलफिका अली, पुत्र समसाद अंसारी कार्यक्रम में उपस्थित थे मंच संचालन कन्हाई पासी ने किया मौके पर पेतरूष कुल्लू,राम परिखा राम, मुनेश्वर मुण्डा, विनोद महतो,लक्ष्मण पासी, संतोष विश्वकर्मा, किसन डोम, जनेश्वर महतो, धनिक लाल महतो, गोवर्धन महतो, परिखन भूइयां, निमय मरांडी, राजिव सिंह, जगदीश सतनामी, महेन्द्र राम, भजन यादव, खुर्शीद अंसारी, रामायण प्रसाद, कृष्णा चौहन, शिव रत्न विश्वकर्मा, तुलसी महतो, प्रदीप कुमार, गोरेलाल भूइयां, रवि कुमार, सिविरिया लकडा, प्रमिला देवी, विद्योत्तमा देवी,आशा दीप इक्का, सूनिता देवी व अन्य मौजूद थे।

झामुमो के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष निलेश गयाशेन का हुआ भव्य स्वागत

चतरा: जिले के टंडवा प्रखंड के कबरा पंचायत के मुखिया सह झारखंड मुक्ति मोर्चा के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष निलेश ज्ञाशेन का चतरा परिसदन में सोमवार को झामुमो कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। इस मौके पर झामुमो के पूर्व जिला अध्यक्ष सह केंद्रीय कमिटी सदस्य पंकज प्रजापति,झामुमो युवा मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष राहुल यादव समेत अन्य कार्यकताओं ने बुके और पौधा देकर नवनियुक्त जिला अध्यक्ष का स्वागत किया। जिला अध्यक्ष के साथ जिला सचिव चंद्रदेव साव, उपाध्यक्ष अमरदीप प्रसाद,असलम अंसारी, पुरन राम और कोषाध्यक्ष नितेश कुमार राणा समेत सैंकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। स्वागत समारोह से पूर्व,जिला अध्यक्ष और कार्यकताओं ने बीर बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात परिषदन सभागार में नवनियुक्त जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं की बैठक संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व जिला अध्यक्ष पंकज प्रजापति ने कार्यकर्ताओं को एकजुट होने की सलाह देते हुए संगठन की मजबूती पर बल दिया। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष निलेश ज्ञाशेन ने झामुमो केंद्रीय कमिटी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं की उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए नवनियुक्त जिला अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी के सभी पदाधिकारियों,केंद्रीय कमिटी के लोगों और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर जिला स्तर पर पार्टी को मजबूत बनाने का कार्य करेंगे। पंचायत स्तर से लेकर बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को जोड़ेंगे। कहा कि,पूरे जिले में झामुमो को इतना मजबूत बना देंगे कि संगठन के मामले में पार्टी राज्य में प्रथम स्थान की बुलंदियों पर पहुंच जाए।उन्होंने सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को जनता तक ले जाने का भी भरोसा दिया।

मुहर्रम को लेकर सदर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक

चतराः सदर थाना परिसर में मुस्लिम धर्मावलंबियों के प्रमुख त्योहार मुहर्रम को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न करने को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल अधिकारी जहूर आलम ने व संचालन थाना प्रभारी बिपिन कुमार ने किया।बैठक में दोनों धर्मों के गणमान्य और लायसेंस धारक उपस्थित हुए। बैठक में अनुमंडल अधिकारी मो जहूर आलम ने कहा कि हिन्दू व मुस्लिम भाइयों ने जिस प्रकार से दीपावली और दुर्गा पूजा में हिंदू समाज के लोगों के साथ मिलकर आपसी सौहार्द की भावना के साथ पर्व को संपन्न करवाया है। ठीक उसी प्रकार मुहर्रम को भी सौहार्द के साथ मनाएं। बैठक में कहा गया कि पांच लाइसेंसी और पांच गैर लाइसेंस धारक हैं। सभी को दिए गए रूट का पालन करना है। अगर रूट से अलग हटकर मुहर्रम जुलूस निकाली जाती है तो पहले प्रशासन को सूचित करें।हिन्दू भाइयों की सहमति लेनी जरूरी है। बिना सहमति के विवाद उत्पन्न न हो,इसका खासा ख्याल रखा जाए। अनुमंडल अधिकारी ने कहा कि आए दिन सोशल मीडिया पर सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की शिकायत आती है। कहा कि अगर सोशल मीडिया इस तरह की शिकायत आएंगी तो कड़ी कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने जुलूस के दौरान लगने वाली जाम पर चर्चा करते हुए कहा कि पहले से तैयारी कर लेनी है ताकि एक ही बार में सभी जुलूस एकसाथ सड़क पर जमा न हो जाएं। कहा कि सड़क की मुख्य सड़क संकीर्ण है। इसको ध्यान में रखना है,ताकि लोगों को आवागमन में परेशानी न हो। अनुमंडल अधिकारी ने डीजे साउंड पर कहा कि इसपर उच्च न्यायालय ने रोक लगाई हुई है। इसका सख्ती से पालन करवाया जाएगा। बैठक में अंचलाधिकारी अनिल कुमार,सदर थाना प्रभारी बिपिन कुमार,झामुमो के पूर्व जिलाध्यक्ष पंकज प्रजापति,लाइसेंस धारक समेत सैंकड़ों की संख्या में हिंदू व मुस्लिम धर्मावलंबी मौजूद थे।

सिदो कान्हू और चांद भैरव को सीएम हेमंत ने दी श्रद्धांजलि, कहा

हूल क्रांति आज भी प्रेरणा स्रोत

संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 1855 के ऐतिहासिक संथाल हूल आंदोलन के महानायक अमर शहीद सिदो कान्हू, चांद भैरव, फूलो झानो और हजारों वीर शहीदों को माल्यार्पण कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। हूल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि यह दिवस केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारे संकल्प, संघर्ष और पहचान का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस बार स्वास्थ्य कारणों से आदरणीय बाबा दिशोम गुरुजी भोगनाडीह की ऐतिहासिक वीर भूमि पर उपस्थित नहीं हो सके, और वे स्वयं भी उनकी अनुपस्थिति के कारण वहां नहीं जा पाए। उन्होंने कहा कि संथाल हूल विद्रोह झारखंड के स्वाभिमान, अस्मिता और अधिकार की प्रतीक क्रांति है, और इससे प्रेरणा लेकर राज्य सरकार आगे भी आदिवासी धर्म कोड, संस्कृति, भाषा, सभ्यता और पहचान के लिए ₹हूल उलगुलान₹ के रूप में कार्य करती रहेगी।

सीएम ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के माध्यम से राज्यवासियों को संबोधित करते हुए कहा, 'हूल हमारी ताकत है, हूल हमारी पहचान है। आने वाले समय में आदिवासी समाज की मूल सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने की दिशा में हमारी प्रतिबद्धता और मजबूत होगी।'

हूल दिवस के इस अवसर पर गांडेय विधायक कल्पना सोरेन, रामगढ़ विधायक ममता देवी, टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो, सारठ विधायक उदय प्रताप सिंह उर्फ चुन्ना सिंह, खिजरी विधायक राजेश कच्छप और पूर्व विधायक के एन त्रिपाठी भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के माध्यम से झारखंड सरकार ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि आदिवासी इतिहास, शहादत और संस्कृति को सम्मान देने के लिए वह पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

हत्या और लूटपाट का मामले में 10 आरोपी गिरफ्तार, हथियार बरामद

संवाददाता

खूंटी : जिले में 28-29 जून की रात मारंगहांदा थाना अंतर्गत ग्राम काड़ेतुबिद में एक जघन्य हत्या और लूटपाट की घटना हुई थी। अज्ञात अपराधियों ने मारंगहादा थाना क्षेत्र के लांदुप पंचायत के काड़ेतुबिद गांव में ग्रामप्रधान बलराम मुण्डा के घर में घुसकर धारदार हथियार से और गोली मारकर हत्या कर दी थी। उनके भगना अच्छू मुंडा को भी गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस घटना के बाद मारंगहांदा थाना में कांड संख्या 19/25 दर्ज कर धारा 310(3)/311 इठर-2023 (हत्या) और 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए खूँटी पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस अधिकारी वरुण रजक की अगुवाई में एक विशेष छापामारी टीम गठित की गई। टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों ने अपने अपराध स्वीकार करते हुए इस्तेमाल किए गए हथियार और गोलियां बरामद करवाया।

गिरफ्तार आरोपियों में
-बीरबल मुण्डा (25 वर्ष), पिताः स्व. चमरा गुण्डा, ग्रामः काहेतुम्बीद
- सीनू मुण्डा (28 वर्ष), पिताः सागर मुण्डा, ग्रामः काडेतुम्बीद
- बुधराम हस्सा (30 वर्ष), पिताः राम सिंह हस्सा, ग्रामः गाडामाडा
केदार मुण्डा (27 वर्ष), पिताः बागा मुण्डा, ग्रामः गितिलबेडा
पुष्पेंद्र यादव (46 वर्ष), पिताः धमण्डी लाल यादव, ग्रामः बंदगांव (वर्तमानः राँची)
पतरस पाहन (23 वर्ष), पिताः लुकेन पाहन, ग्रामः कोजरोग

-पालटन मुण्डा (39 वर्ष), पिताः मोहना मुण्डा, ग्रामः जोरको
- पाज पाहन (21 वर्ष), पिताः स्व. मांगरा पाहन, ग्रामः गितिलवेडा
-अभिषेक हस्सा (21 वर्ष), पिताः निवारन हस्सा, ग्रामः कुबासाल
-कालीप पुर्ती (19 वर्ष), पिताः रेला मुण्डा, ग्रामः मुद्दा का नाम शामिल है।

जबकि बरामद सामग्री में तीन देशी कट्टा , एक पिस्टल चौदह गोलियां , दस मोबाइल दो चाकू ,एक मृतक का मोबाइल , पांच मोटरसाइकिल बरामद हुआ है।

गुप्त सूचना के आधार पर करोड़ो का अवैध डोडा जब्त

संवाददाता

खूंटी : पुलिस अधीक्षक खूंटी मनीष तोपों ने प्रेस वार्ता कर बताया था कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि एक ट्रक में अवैध डोडा लोड कर कुछ लोग सेंगरहातु की ओर जा रहे हैं। मिली सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया और गठित टीम द्वारा सेंगरहातु चौक पर ब्रैकेटिंग लगाकर छापेमारी की गई। पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो ने बताया कि रात लगभग 4:00 के आसपास एक ट्रक को आता देखा गया जिसका नंबर वढ 25 उळ 0437 था। जिसे छापेमारी दल के द्वारा टॉर्च और हाथ के इशारे से रुकने का इशारा किया गया, जिसपर ट्रक पर सवार दो लो पुलिस को देखते ही ट्रक छोड़ कर भागने लगे। जिसे पुलिस के द्वारा खदेड़ का पकड़ा गया। जिसके बाद ट्रक की जांच में उस ट्रक से 40 बोरे में भरा 909.550 किलो अवैध डोडा पाया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 1 करोड़ 35 लाख 83 हजार 550 रुपया आंकी गई। वहीं जिन दो लोगों को पुलिस ने डोडे के साथ गिरफ्तार किया है उसमें, जितेंद्र पाल उर्फ अनिल कुमार और आकाश का नाम शामिल है। इस संदर्भ में अड़की थाना में कांड दर्ज किया गया है। इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो न प्रेस वार्ता के माध्यम से दी।

जागरूकता शिविर का आयोजन

गिद्धौर (चतरा): प्रखंड कार्यालय परिसर में नशा मुक्ति को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार चतरा के सचिव तारकेश्वर दास के निदेर्शानुसार लोगों के बीच जागरूकता अभियान चलाया गया। जहां अंतर्राष्ट्रीय नशीली पदार्थ के सेवन और अवैध तस्करी के इस्तेमाल करने वाले के खिलाफ जागरूकता शिविर में जागरूक किया गया।

बुंडू प्रखंड की जर्जर सड़क ने बढ़ाई लोगों की मुश्किलें

संवाददाता

बुंडू : प्रखंड के नावाडीह से गभड़ेया तक जाने वाली सड़क की हालत दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। करीब 10 साल पहले बनी यह काली सड़क आज इतनी जर्जर हो चुकी है कि लोगों का चलना मुश्किल हो गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण के बाद न तो प्रशासनिक अधिकारियों और न ही जनप्रतिनिधियों ने इस सड़क की ओर ध्यान दिया। मॉनसून में सड़क का कालीकरण पूरी तरह उखड़ गया है, जगह-जगह गहरे गड्ढे बन गए हैं। सड़क की मेटल और पत्थर भी बाहर निकल आए हैं, जिससे वाहन चालकों के लिए यह रास्ता दुर्गम हो गया है। चार पहिया और तिपहिया वाहन तो दूर, दोपहिया वाहन से भी गुजरना मुश्किल हो रहा है। कई बार लोग गड्ढों में फंसकर गिर जाते हैं, जिससे चोटिल होने की घटनाएं भी बढ़ गई हैं। ग्रामीणों की मांग पर नहीं हुआ कोई कार्रवाईः स्थानीय निवासियों ने बताया कि उन्होंने कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से शिकायत की, लेकिन अब तक कोई सुधार नहीं हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द ही सड़क की मरम्मत नहीं हुई, तो आवागमन और भी दूभर हो जाएगा।ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि आखिर कब तक उन्हें इस जर्जर सड़क पर यात्रा करनी पड़ेगी?

इंदुमति टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर में मेधावी छात्र और अभिभावक सम्मान समारोह

डिजिटल टच पैनल का फीता काटकर शुभारंभ

संवाददाता

चतराः स्थानीय इंदुमती टिबड़ेबाल सरस्वती विद्या मंदिर, दीभा के विशाल सभागार में मेधावी छात्र अभिनंदन समारोह में जैक बोर्ड द्वारा आयोजित दसवीं की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं के साथ उनके अभिभावकों को समारोहपूर्वक सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ के पूर्व विद्यालय में उपलब्ध कराए गए कक्षाओं में 72 इंच के लगे 13 डिजिटल टच पैनल को चतरा विधायक जनार्दन पासवान व विद्या विकास समिति के प्रदेश सचिव नकुल कुमार शर्मा के द्वारा डिजिटल पैनल का फीता काटकर एवं रिमोट सिस्टम के जरिए उद्घाटन किया गया।इस दौरान प्रदेश सचिव ने इस तकनीकी शिक्षा के महत्व के बारे में बताया कि तेजी से बदलते इस तकनीकी युग में ज्ञान के साथ साथ तरह की भैया बहनों में संसाधनों की पूर्ति में सहयोग देना नितांतआवश्यक है।

तत्पश्चात कार्यक्रम की शुरूआत चतरा विधायक जनार्दन पासवान,विद्या भारती झारखंड के प्रदेश सचिव नकुल कुमार शर्मा, हजारीबाग विभाग प्रमुख ओमप्रकाश सिन्हा,सह प्रमुख ब्रजेश कुमार सिंह,विद्यालय प्रबंधकार्यकारिणी समिति के संरक्षक डॉ.विजय अग्रवाल, अध्यक्ष संतन पांडेय,सचिव संजय सिन्हा, कोषाध्यक्ष मुकेश साह व विद्यालय के संस्थापक प्राचार्य कैलाश प्रसाद,प्राचार्य रमेश कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया ।

सरस्वती वंदना के तत्पश्चात बहनों द्वारा स्वागत गीत को प्रस्तुति की गई।कार्यक्रम में विषय प्रवेश सचिन कुमार दुबे ने कराया।अतिथि परिचय सह स्वागत विद्यालय के प्राचार्य रमेश कुमार सिंह द्वारा की गई।

परीक्षा परिणाम वृत सह पारितोषिक वितरण पंकज पाण्डेय ने की।विदित हो इंदुमती टिबड़ेवाल विद्यालय के कुल 205 विद्यार्थी जैक बोर्ड परीक्षा में सम्मलित हुए थे। जिनमे बहन नैंसी राज 94.6% लाकर विद्यालय की टॉपर बनी तथा चतरा जिला में छठा रैंक,वही अंजलि कुमारी ने 94.4 प्रतिशत लाकर जिले में सातवां और रिया कुमारी ने 94 प्रतिशत लाकर जिले में नौवा रैंक लाकर विद्यालय का मान बढ़ाया है। जैक बोर्ड में टॉप 10 में आने वाले कुल 11 भैया बहन एवं जेईई एडवांस में सफल होने वाले भैया कुमार सुरजीत व राजदीप कुमार को विद्यालय प्रबंधन द्वारा स्मार्ट वॉच ,प्रशस्ति पत्र और शेष उत्तीर्ण उत्तीर्ण विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट फाइल देकर सम्मानित किया गया।साथ ही उनके अभिभावकों को अंग वस्त्र व पांडुलिपि हनुमान चालीसा भेटकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक जनार्दन पासवान ने कहा कि यह विद्यालय बेहद ही प्रतिष्ठित विद्यालय है और यहां के बच्चे पढ़ाई और खेल दोनों विधा में बहुत शानदार प्रदर्शन कर रहे है।समय समय में पेपर न्यूज और सोशल मीडिया के जरिए मुझे जानकारी मिलती रहती है।उन्होंने विद्यालय में डिजिटल पैनल के उद्घाटन करते हुए कहा कि आज के तकनीकी दुनिया में बच्चे इससे अच्छे से रूबरू होंगे और पढ़ाई में और भी आसान,सहज महसूस कर पाएंगे।उन्होंने चतरा की विकास गाथा में अपना योगदान एवं साथ ही विद्यालय में लगे डिजिटल पैनल के अलावा शेष आगामी विद्यालय में लगने वाले डिजिटल पैनल का पूरा खर्चा देने का आश्वासन दिया है।प्रदेश सचिव नकुल कुमार शर्मा ने माताओं के प्रथम गुरु बताते हुए उनके योगदान की सराहना की ।उन्होंने कहा कि विद्या भारती न केवल छात्रों को बल्कि उनके अभिभावकों को भी सम्मानित कर उनके सहयोग को मान्यता देती है।

संरक्षक डॉ.विजय अग्रवाल एवं अध्यक्ष संतन पांडेय ने भी कार्यकम को संबोधित कर सफल उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।विद्यालय प्रबन्धन समिति के सचिव संजय सिन्हा ने सभी के प्रति आभार व धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि आपकी अभी आगे और भी प्रतिस्पर्धा होगी लेकिन आप सभी से उम्मीद है आप और कल बेहतर करेंगे।कार्यक्रम के सफल संचालन में समिति सदस्य रणजीत अग्रवाल,मनोज सिंह,पूर्व प्रभारी प्राचार्य डॉ.मुकुंद बिहारी झा,चतरा संकुल के जोरी के प्राचार्य अरुण पांडे,पत्थलगड्डा के अक्षयवट दयाल शर्मा,इटखोरी के प्रमोद पाठक,हफुआ के अभय सिंह,विद्यालय के तीनों खंड के प्रभारी अयोध्या सिंह,अजय रजक,संगीता कुमारी, राजेश कुमार,रणजीत कुमार,अमित कुमार,सचिन दुबे,गोल्डन गौरव ,मंटू कुमार,अमृता सिंह,नीलम पांडेय ,चंद्रमोहन मिश्र,मनीष कुमार, सिद्धेश्वर गोस्वामी,मौली मिश्र समेत आचार्य,आचार्या का अहम योगदान रहा।

रांची समेत पूरे राज्य में जमकर हो रही बारिश , अगले 2 दिन होगी भारी बारिश, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

संवाददाता

झारखंडः एक से छह जुलाई तक राजधानी सहित राज्य के कई हिस्सों के लिए बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया। यह अलर्ट भारतीय मौसम विज्ञान विभाग रांची केंद्र के द्वारा जारी किया गया है। इसके तहत भारी बारिश के साथ वज्रपात की चेतावनी जारी की गई है।

एक जुलाई को पश्चिमी भाग पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार, लोहरदगा, दो जुलाई को उत्तरी-मध्य भाग के रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, रामगढ़ में भारी बारिश के साथ वज्रपात होने का पूवार्नुमान है। यह स्थिति

इन इलाकों में चार जुलाई तक बनी रहेगी। इसके बाद पांच और छह जुलाई को उत्तर-पूर्वी भाग के देवघर, धनबाद, दुमका, गिरीडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़, साहेबगंज में भारी बारिश व वज्रपात होने की संभावना है। जून माह में हो रही लगातार बारिश झारखंड में अब रिकॉर्ड तोड़ने लगी है। मौसम विभाग रांची के अनुसार, इस बार जून माह में पूरे झारखंड में 348।9 मिमी बारिश हो चुकी है, जो कि पिछले 11 वर्षों में सर्वाधिक बारिश है। मौसम विभाग के अनुसार, जून माह के दौरान हुई बारिश सामान्य बारिश की तुलना में 84 फीसदी अधिक है। जबकि, जून महीने की सामान्य वर्षा पात 189।5 मिलीमीटर बारिश होने की है। पिछले 24 घंटे के दौरान मानसून सक्रिय रहा है। रांची स्थित कांके 70।4 मिमी, रामगढ़ में 69।6, बोकारो में 59।2, हजारीबाग 42।2 समेत राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाब का क्षेत्र अगले दो दिनों के दौरान ओडिशा के उत्तरी हिस्से और झारखंड से होते हुए गुजरेगा। इस दौरान अगले पांच दिनों तक झारखंड में अच्छी बारिश होने का अनुमान व्यक्त किया गया है। लगातार बारिश होने के कारण राज्य का तापमान सामान्य से पांच डिग्री तक नीचे चल रहा है। सोमवार को रांची का अधिकतम तापमान 28।4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22।4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, राज्य में सर्वाधिक अधिकतम गोड्डा का 32।9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

24वें जूनियर नेशनल वुशु प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए झारखण्ड वुशु टीम हैदराबाद रवाना

- ✔ 23 खिलाडी हैं झारखण्ड दल का हिस्सा

संवाददाता

रांची : हैदराबाद के गोचिबोली इंडोर स्टेडियम के प्रांगण में दिनांक 1 से 6 जुलाई 2025 तक आयोजित किये जा रहें 24 वें जूनियर नेशनल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए झारखण्ड टीम हैदराबाद के लिए रवाना हो गयी।

वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया के द्वारा आयोजित किये जा रहें इस प्रतियोगिता में भारत के विभिन्न राज्यों, केंद्रसाशीत प्रदेशों, आर्मी बॉयज और साईं के खिलाडी भाग लें रहें है। झारखण्ड दल में 12 बालिका और 11 बालक खिलाडी भाग लें रहें हैं। इनके साथ साथ एक मैनेजर और एक कोच भी दल में शामिल हैं। रवानगी के पूर्व झारखण्ड वुशु एसोसिएशन कि तरफ से एक प्रशिक्षण शिविर भी आयोजीत किया गया था। झारखण्ड वुशु एसोसिएशन के शिवेंद्र दुबे इस प्रतियोगिता में झारखण्ड वुशु के ऑब्जर्वर के रूप में भाग लेंगे खिलाड़ियों की इस प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन हेतु झारखण्ड वुशु एसोसिएशन के प्रेसिडेंट डॉ प्रदीप वर्मा (राज्य सभा सांसद)सहित प्रोफेसर मुकुंद मेहता, डॉ कविता सिंह, मिथलेश साहू, डॉ अंशु साहू,चंचल भट्टाचार्य, कुमुद प्रसाद साहू,उदय साहू,प्रियदर्शी अमर,शैलेन्द्र कुमार, विभूति भूषण,डॉ उदीप लाल,मनोज कुमार महतो, मनोज साहू, शशिकांत पांडे, रजि अहमद, गोकुलनंद मिश्रा, वाहिद अली, आजाद पाठक, शैलेन्द्र दुबे, रत्नेश कुमार, दीपक गोप, आशीष गोप, अमासी बारला, संजय मंडल, कार्तिक राम, दिनेश यादव, अमरेंद्र दत्त द्विवेदी, प्रतिमा कुमारी, बिमला टोप्पो, सुशांति तोपनो, काजल किरण, मृतुन्जय कुमार राय व अन्य ने शुभकामनाएं दी है।

हूल दिवस पर बबलू मुंडा ने कहा,

सिद्धों मुर्मू कान्हू मुर्मू के वंशजों पर लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले दागे जाने की घटना अत्यंत शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण

मेट्रो रेज संववाददाता

रांचीः केन्द्रीय सरना समिति द्वारा हुल दिवस के अवसर पर सिद्धों मुर्मू कान्हू मुर्मू के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि हूल दिवस जो हर वर्ष 30 जून को मनाया जाता है,संथाल आदिवासियों के 1855-56 के ऐतिहासिक विद्रोह की याद में आयोजित किया जाता है। यह विद्रोह सिद्धों मुर्मू और कान्हू मुर्मू के नेतृत्व में ब्रिटिश हुकूमत और स्थानीय जमीदारों के खिलाफ शुरू हुआ था इस विद्रोह ने आदिवासी समुदाय की एकता और

साहस को दशार्या, साथ ही साथ उनके सामाजिक और आर्थिक शोषण के खिलाफ आवाज को भी बुंलद किया। भोगनाडीह, साहिबगंज जिला इस विद्रोह का केंद्र रहा है और इसे संथाल समुदाय की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर का का प्रतीक माना जाता है। केन्द्रीय अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि आज हूल दिवस के पावन अवसर पर हेमंत सोरेन सरकार ने अपनी ओछी राजनीति का परिचय दिया है। वीर सिद्धों - कान्हू की पवित्र धरती को संघर्ष का मैदान बना दिया। उनके वंशजों को अपने पूर्वजों की पूजा करने से रोका गया, और जब आदिवासी समाज ने इसका विरोध किया तो उन पर बर्बरता दिखाई गई, पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले दागे गए। यह घटना अत्यंत शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है।

पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी विमल लकड़ा अस्पताल में भर्ती

रांचीः पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी विमल लकड़ा की हालत गम्भीर बनी हुई है। सिर में गंभीर चोट के पश्चात बेहतर इलाज के लिए उन्हें सिमडेगा से रांची लाया गया है। रांची के क्यूरेस्टा अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है।

चंद्र प्रकाश चौधरी ने सर गंगा राम अस्पताल जाकर शिबू सोरेन का हाल जाना

नई दिल्ली/रांचीः गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने आज सर गंगा राम अस्पताल जाकर झामुमो सुप्रीमो व राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन का हाल जाना। उन्होंने मौके पर राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बातचीत की। सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने कहा कि शिबू सोरेन स्वस्थ होकर झारखंड लौटेंगे। मौके पर राज्यसभा सांसद सरफराज अहमद व पूर्व विधायक ददन पहलवान मौजूद थे।

साइबर ठगी का शिकार हुए विधायक शशिभूषण मेहता, 1.27 लाख रुपये का लगा चूना

संवाददाता

रांचीः झारखंड में बीते कुछ दिनों से साइबर ठगी के कई मामले सामने आ रहे हैं। लोगों को लालच देकर अलग-अलग तरीकों से अपने झांसे में फंसाया जा रहा है। अब तो साइबर ठगों की हिम्मत इतनी बढ़ गयी है कि उन्होंने विधायक तक को अपने झांसे में ले लिया। पांकी विधायक शशिभूषण मेहता को अपने जाल में फंसा कर साइबर ठगों ने उन्हें 1.27 लाख रुपये का चूना लगा दिया। विधायक ने मामले को लेकर साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। गाड़ियों की नीलामी के नाम पर ठगीः विधायक ने आवेदन में बताया कि बीते गुरुवार की

सुबह करीब 9 बजे उन्हें रितेश कुमार नामक एक व्यक्ति ने कॉल किया। उसने खुद को जीएसटी कस्टम अधिकारी बताया और कहा कि पश्चिम बंगाल के मालदा में जीएसटी कस्टम विभाग द्वारा जब्त गाड़ियों की नीलामी की जा रही है। इसके बाद उसने विधायक के व्हाट्सऐप पर गाड़ियों की तस्वीर भेजी और बताया कि फॉर्च्यूनर गाड़ी की कीमत 12.70 लाख रुपये है।

दिव्यांग बच्चों के लिए लगेगा जांच शिविर, दिसंबर से मिलेगा उपकरण

रांचीः राज्य के सभी प्रखंडों में दिव्यांग बच्चों को सहायक उपकरण प्रदान करने को लेकर जांच शिविर लगाया जायेगा। इन शिविरों में बच्चों की दिव्यांगता की जांच की जायेगी। तत्पश्चात उन्हें आवश्यक उपकरण दिये जायेंगे। पहले चरण में यह आकलन शिविर तीन जुलाई से 19 सितंबर तक विभिन्न प्रखंडों में आयोजित किया जायेगा। इसके बाद संबंधित बच्चों के बीच उपकरणों का वितरण दिसंबर 2025 से लेकर वर्ष 2026 तक किया जायेगा। एलिम्को, रांची की ओर से राज्य में इसके लिए पांच टीमें कार्य करेंगी। प्रत्येक टीम में विभिन्न श्रेणी के विशेषज्ञ शामिल होंगे, जो निर्धारित तिथि पर संबंधित प्रखंडों में शिविर लगायेंगे। शिविर के आयोजन से पहले जिला व प्रखंड स्तर पर यह सुनिश्चित किया जायेगा कि क्षेत्र के सभी पात्र दिव्यांग बच्चे इसमें भाग लें। इसके लिए जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को सूचित किया जायेगा

प्रसाद बुधिया सरस्वती विद्यालय में प्रतिभा सम्मान समारोह

टॉपर्स और शिक्षकों को किया गया सम्मानित

- ✔ पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने दी प्रेरणादायी सीख

संवाददाता

रांचीः शिक्षा सिर्फ अंक लाने की दौड़ नहीं, बल्कि एक ऐसा संस्कार है जो जीवन भर मनुष्य का मार्गदर्शन करता है। इसी उद्देश्य को लेकर गंगा प्रसाद बुधिया सरस्वती विद्यालय, मोरहाबादी में कक्षा दसवीं के टॉपर्स विद्यार्थियों के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

दीप प्रज्वलित कर एवं सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने विद्यालय के प्रतिभावान छात्रों को मेडल एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों, शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा,जीवन में हम सब कुछ कर सकते हैं – धन कमा सकते हैं, नई चीजें सीख सकते हैं – लेकिन स्कूल दोबारा नहीं जा सकते। वह समय बीत चुका होता है। स्कूल ही वह स्थान है जहाँ जीवन के पहले संस्कार, अनुशासन और सामाजिक मूल्यों की नींव रखी जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि आज के दौर में जब कोचिंग संस्थानों की होड़ मची है, तो बच्चे नॉन-स्कूलिंग की ओर बढ़ रहे हैं। इससे उनमें वे संस्कार और

सामाजिक अनुशासन नहीं आ पा रहे हैं जो एक स्कूल के वातावरण में सहज रूप से विकसित होते हैं। श्री दूबे ने दसवीं की परीक्षा को विद्यार्थियों के जीवन की पहली निर्णायक सीढ़ी बताया, जिसमें सफलता पाकर वे न केवल अपने भविष्य को मजबूत करते हैं, बल्कि अपने माता-पिता और शिक्षकों का भी नाम रोशन करते हैं। ऐसे बच्चे जिन्होंने 90% या उसके आसपास नम्बर लाये हैं उन्हें विशेष रुप से सम्मानित किया गया उनमें हीना परवीन,माल्वी कुमारी पाहन,आशुतोष कश्यप, सोहेल अली, आयुष कुमार, अनन्या कुमारी, नितेश मुंडा,तान्या कुमारी, बबली कुमारी यादव,यश राज शामिल थे। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य आशीष कुमार झा, उप-प्रधानाचार्य आनंद कुमार मिश्रा एवं वरिष्ठ शिक्षिका पूजा ठाकुर ने स्कूल परिवार की ओर से सभी अतिथियों का स्वागत किया और पासवा अध्यक्ष का परिचय उपस्थित छात्र-छात्राओं व अभिभावकों से करवाया।

कार्यक्रम में न सिर्फ मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया, बल्कि विद्यालय के समर्पित शिक्षकों को भी उनकी कर्तव्यनिष्ठा, बच्चों के भविष्य को आकार देने में योगदान, और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रतिबद्धता के लिए मोमेंटो और सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। इस गरिमामय समारोह ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि विद्यालय केवल पढ़ाई का केंद्र नहीं है, बल्कि चरित्र निर्माण और सामाजिक चेतना की पहली पाठशाला भी है।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

PROGRAMME OF EXAMINATIONS/RECRUITMENT TESTS (RTs) -2026

Sl. No.	Name of Examination	Date of Notification	Last Date for receipt of Applications	Date of commencement of Exam	Duration of Exam
1.	**Reserved for UPSC RT/ Examination**			**10.01.2026 (Saturday)**	**2 Days**
2.	**Reserved for UPSC Examination**			**17.01.2026 (Saturday)**	**2 Days**
3.	Combined Geo-Scientist (Preliminary) Examination, 2026	03.09.2025	23.09.2025	08.02.2026 (Sunday)	1 DAY
4.	Engineering Services (Preliminary) Examination, 2026	17.09.2025	07.10.2025	08.02.2026 (Sunday)	1 DAY
5.	CBI (DSP) LDCE	24.12.2025	13.01.2026	28.02.2026 (Saturday)	2 DAY
6.	CISF AC(EXE) LDCE-2026	03.12.2025	23.12.2025	08.03.2026 (Sunday)	1 DAY
7.	N.D.A. & N.A. Examination (I), 2026	10.12.2025	30.12.2025	12.04.2026 (Sunday)	1 DAY
8.	C.D.S. Examination (I), 2026				
9.	Civil Services (Preliminary) Examination, 2026	14.01.2026	03.02.2026	24.05.2026 (Sunday)	1 DAY
10.	Indian Forest Service (Preliminary) Examination, 2026 through CS(P) Examination 2026				
11.	**Reserved for UPSC RT/ Examination**			**06.06.2026 (Saturday)**	**2 DAYS**
12.	I.E.S./I.S.S. Examination, 2026	11.02.2026	03.03.2026	19.06.2026 (Friday)	3 DAYS
13.	Combined Geo-Scientist (Main) Examination, 2026			20.06.2026 (Saturday)	2 DAYS
14.	Engineering Services (Main) Examination, 2026			21.06.2026 (Sunday)	1 DAY
15.	**Reserved for UPSC RT/ Examination**			**04.07.2026 (Saturday)**	**2 DAYS**
16.	Central Armed Police Forces (ACs) Examination, 2026	18.02.2026	10.03.2026	19.07.2026 (Sunday)	1 DAY
17.	Combined Medical Services Examination, 2026	11.03.2026	31.03.2026	02.08.2026 (Sunday)	1 DAY
18.	**Reserved for UPSC Examination**			**08.08.2026 (Saturday)**	**2 DAYS**
19.	Civil Services (Main) Examination, 2026			21.08.2026 (Friday)	5 DAYS
20.	N.D.A. & N.A. Examination (II), 2026	20.05.2026	09.06.2026	13.09.2026 (Sunday)	1 DAY
21.	C.D.S. Examination (II), 2026				
22.	**Reserved for UPSC RT/ Examination**			**26.09.2026 (Saturday)**	**2 DAYS**
23.	**Reserved for UPSC RT/ Examination**			**10.10.2026 (Saturday)**	**2 DAYS**
24.	**Reserved for UPSC RT/ Examination**			**31.10.2026 (Saturday)**	**2 DAYS**
25.	Indian Forest Service (Main) Examination, 2026			22.11.2026 (Sunday)	7 DAYS
26.	S.O./Steno (GD-B/GD-I) LDCE	16.09.2026	06.10.2026	12.12.2026 (Saturday)	2 DAYS
27.	**Reserved for UPSC RT/ Examination**			**19.12.2026 (Saturday)**	**2 DAYS**

Note: The dates of notification, commencement and duration of Examinations/ RTs are liable to alteration, if the circumstances so warrant.

CBC-55101/14/0002/2526

सुविचार

मेहनत अगर आदत बन जाए, तो सफलता ही तकदीर बन जाती है।

सधी रणनीति-कूटनीति

दशकों से पाक पोषित आतंकवादियों के हमले झेल रहे भारत ने पाक अधिकृत कश्मीर व पाकिस्तान में सधे-सटीक मिसाइल हमले कर- के आतंक की पाठशालाएं धवस्त कर दीं। ह्यऑपरेशन सिंदूरह्व से बौखलाए पाक ने भारत के एक दर्जन से अधिक शहरों पर जो जवाबी हमले किए, भारतीय प्रतिरक्षा तंत्र ने उन्हें नाकाम कर दिया। दरअसल, भारत कई मोर्चों पर सधी चाल चल रहा है। पहलगाम हमले के बाद भारत सरकार ने सेना के तीन अंगों के प्रमुखों, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार व विभिन्न हितधारकों से लगातार संपर्क बनाकर कारगर रणनीति की रूप-रेखा बनायी। ताकि पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों व नागरिकों को हमले से कोई बड़ा नुकसान न हो। लेकिन भारत की सीमित कार्रवाई को जवाब देने में पाकिस्तान जल्दबाजी कर गया। हालांकि, देश के कुछ बड़े शहरों को युद्धक विमानों और ड्रोन के जरिये निशाना बनाने का पाक अभियान हमारी कई परतों वाली सुरक्षा तकनीक से विफल हो गया। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शीर्ष सैन्य अधिकारियों से मुलाकात करके युद्ध की रणनीति पर लगातार विचार करते रहे। इसी तरह सूचना व मनोवैज्ञानिक युद्ध के जरिये पाक को पस्त किया गया। उसके कई हवाई जहाज व दर्जनों आयातित ड्रोन भारतीय सुरक्षा की परतों को नहीं भेद पाये। वहीं दूसरी ओर, भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दुनिया में अपने समकक्षों से संपर्क साध करके आतंकवाद के पोषक पाक को बेनकाब किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दो टूक कहा कि वह भारत-पाक संघर्ष के बीच नहीं आएगा। वहीं अमेरिकी विदेश मंत्री ने पाक प्रधानमंत्री से बात कर संघर्ष को विस्तार देने से बचने का आग्रह किया। दरअसल, चीन व तुर्की को छोड़कर दुनिया के तमाम बड़े मुल्क आतंक से प्रभावित भारत के पक्ष में खड़े नजर आए हैं। वहीं सऊदी अरब के उपविदेश मंत्री अदेल अलीजुबैर और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची गुरुवार को दिल्ली पहुंचे। जिन्हें पहलगाम हमले के बाद की स्थितियों से अवगत कराया गया। भारत ने आतंक को बढ़ावा देना बंद न करने तक बातचीत से इनकार किया। मोदी सरकार, सुरक्षा से जुड़े तमाम विभागों तथा सेना के तीनों अंगों ने बेहतर तालमेल के साथ ऑपरेशन सिंदूर तथा उसके बाद पाक द्वारा किए हमलों को विफल बनाने के लिये पर्याप्त होमवर्क किया। लगातार बैठकों व संवाद के जरिये इस चुनौती के मुकाबले की रणनीति को अंजाम दिया। जिससे देश के जनमानस का भरोसा बढ़ा कि देश सही हाथों में है। अब तक भारत पाक पोषित आतंकवादी हमलों के बाद सिर्फ कूटनीतिक स्तर पर कार्यवाही की कोशिश करता रहा है। ऐसी स्थिति मुंबई हमले, संसद पर हुए हमले तथा पठानकोट एयर बेस पर हुए हमलों के बाद सामने आई। भारत सबूतों के आधार पर वैश्विक संगठनों से कार्रवाई की मांग करता रहा है। लेकिन पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देना नये भारत की बदली रणनीति का पर्याय ही है। पहले पाक के परमाणु हथियार का डर दिखाकर भारत को कार्रवाई करने से रोका जाता रहा है। कालांतर में 2016 में उरी में 19 सैनिकों के मारे जाने पर नियंत्रण रेखा के पार व 2019 में पुलवामा विस्फोट के बाद बालाकोट में एयर स्ट्राइक की गई। इसी तरह पहलगाम हमले के बाद सीधी कार्रवाई करके साफ संदेश दिया कि किसी भी आतंकी हमले का जवाब आतंकवाद को सींचने वाले पाक पर भारत सीधी कार्रवाई करेगा। भारत ने पहले पूरी दुनिया को पुलवामा हमले की साजिश के सबूत दिए और फिर कार्रवाई की। यही वजह है कि दुनिया के तमाम देश भारत के पक्ष में खड़े नजर आए। अब भारत ने महज अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर गुहार लगाना बंद कर दिया है। निश्चय ही यह रणनीति मनोवैज्ञानिक दबाव बढ़ाने के बजाय अमेरिका व इस्राइल की तर्ज पर घर में घुसकर मारने की रणनीति है। बहरहाल, भारत ने दुनिया को बता दिया कि पाक अपनी जमीन पर आतंकियों को प्रशिक्षण व समर्थन तो देता है लेकिन उनके विरुद्ध कार्रवाई से बचता है। वहीं दूसरी ओर भारत ने परंपरागत युद्ध शैली से हटकर नई तकनीकों का भरपूर उपयोग किया। भारतीय रक्षा कवच एस-400 यानी सुदर्शन चक्र आदि का पाक हमलों को विफल करना नवीनतम तकनीकों का ही प्रतिफल है।

सतर्कता और रणनीति

भारत ने पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर व पाकिस्तान में सिर्फ आतंकी शिविरों तक सटीक सैन्य कार्रवाई को अंजाम दिया था, जिसको लेकर गुरुवार को विपक्ष ने सरकार के साथ एकता और संकल्प का परिचय दिया। हालांकि, दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय तनाव कायम है। पाकिस्तान ने सभी कायदे कानून ताक पर रखकर नागरिकों व सार्वजनिक स्थलों को निशाना बनाना जारी रखा है। हालांकि, भारत ने मजूबत सुरक्षातंत्र के बूते अपने पंद्रह शहरों पर दागी गई लक्षित मिसाइलों को बेअसर कर दिया है। प्रतिक्रिया स्वरूप भारत ने पाक के कुछ सैन्य ठिकानों व लाहौर की प्रमुख वायु रक्षा प्रणाली को नष्ट कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक ने स्थिति की गंभीरता को ही रेखांकित किया। इस स्थिति को बेहद संवेदनशील बताते हुए उन्होंने संस्थागत तालमेल और नागरिक सुरक्षा को प्राथमिकता देने पर बल दिया। दरअसल, इस स्थिति में सरकार की प्राथमिकताओं में नागरिक सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करना, गलत सूचनाओं का मुकाबला करना और बुनियादी ढांचे की सुरक्षा करना और किसी भी हमले का तत्परता से मुकाबला करना शामिल है। निस्संदेह, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल और परिचालन में निरंतरता सुनिश्चित करने के लिये मंत्रालयों को निर्देश साइबर हमलों और गलत सूचना अभियानों सहित हाइब्रिड खतरों की एक गंभीर समझ को ही दशार्ता है। गुरुवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा सर्वदलीय बैठक में विस्तृत जानकारी देना इस दिन का महत्वपूर्ण घटनाक्रम था। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में कम से कम सौ आतंकवादियों के मारे जाने की पुष्टि की। विपक्ष खासकर कांग्रेस और एआईएमआईएम ने सराहनीय परिपक्वता दशार्यी। वे तमाम राजनीतिक मतभेदों को भुलाकर राष्ट्रीय हितों के साथ खड़े नजर आए। राजनीतिक सहमति का यह दुर्लभ क्षण घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को एक सशक्त संदेश देता है। यह भी कि जब भी भारत की संप्रभुता को चुनौती मिलती है इसका राजनीतिक ताना-बाना और मजबूत होता है। जबकि, तनाव की तसवीर अभी डराने वाली हैं। जिसको हल्के में नहीं लिया जा सकता। हालांकि, भारत ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि उसका इरादा तनाव बढ़ाने का नहीं है। लेकिन जवाबी कार्रवाई के लिये पूरी तरह तैयार है। इसलिए रणनीतिक संयम को विश्वसनीय प्रतिरोध के साथ संतुलित किया जाना चाहिए। निस्संदेह,अब सामरिक जीत से हटकर रणनीतिक स्थिरता पर जोर दिया जाना चाहिए। आने वाले दिनों में नागरिक सुरक्षा, कूटनीतिक संदेश और आंतरिक सुरक्षा पर लगातार ध्यान देने की आवश्यकता होगी। भारत को सुरक्षा प्राथमिकताओं से समझौता किए बिना वैश्विक भागीदारों को जानकारी देना जारी रखना चाहिए। साथ ही अपने नागरिकों से पारदर्शिता बनाए रखनी चाहिए। निस्संदेह, ऑपरेशन सिंदूर के जारी रहने के बावजूद, एकीकृत राजनीतिक रुख और संस्थागत सतर्कता बाहरी खतरों के सामने लोकतांत्रिक लचीलेपन का एक आदर्श प्रस्तुत करती है। इसके अतिरिक्त देश के सीमावर्ती इलाकों के ग्रामीण की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से बौखलाए पाकिस्तान ने हताशा में जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर मौत और विनाश का तांडव मचाया है। पुंछ सेक्टर में भारी गोलाबारी में 13 नागरिकों की जान चली गई। वहीं सीमावर्ती इलाके के गांवों में बड़ी संख्या में घर क्षतिग्रस्त हो गए। पाकिस्तान ने पहलगाम हमले के बाद उस संघर्ष विराम का उल्लंघन कर दिया है जिसे 2021 में नये सिरे से लागू किया गया था। पाकिस्तान सेना ने बेशर्मी से नागरिक क्षेत्रों को निशाना बनाया है।

सृजन से लोकमंगल

ये सभी विभिन्न राजनीतिक दलों से थे। दूसरा मामला वर्ष 2024 में तृणमूल कांग्रेस की लोकसभा सदस्य महुआ मोइत्रा का था। इन सभी सांसदों पर सवाल पूछने के बदले पैसा(क्वेरी फॉर कैश) लेने का मामला था, जबकि विधायक पटेल के खिलाफ मामला सवाल वापस लेने के लिए पैसा लेने का है। डॉ. भीमराव आंबेडकर और अन्य संविधान सदस्यों ने संविधान बनाते समय यह बिलकुल नहीं सोचा होगा कि वे संविधान में जन को सर्वोपरि रखते हुए देश की सबसे बड़ी पंचायत में उसके प्रतिनिधि का जो प्रावधान कर रहे हैं।

हृदयनारायण दीक्षित

अस्तित्व की अभिव्यक्ति है प्रकृति। अस्तित्व है अंतहीन। सृजन प्रकृति का धर्म है। प्रतिपल नई कोंपल, नई कली, नव पराग, नव मकरंद। कीट-पतिंग भी नवसृजन हैं। नन्हीं गौरैया के मुंह में दाना डालती गौरैया माता या अपने बच्चे को पेट में चिपकाए इस डाल से उस डाल पर छलांग लगाती बन्दरिया। बछड़े को चाट-चूमकर शक्तिशाली गोवंश तैयार करती गोमाता। सृजन के विधाता देव ब्रह्मा हैं। वे कभी थकते नहीं। बार-बार अथक सृजन। अकथ विस्तार। गीत, काव्य, संगीत और समूचा साहित्य प्रकृति की सृजन शक्ति ही विस्तार है। प्रकृति रचती-गढ़ती है तो यह कर्म प्रकृति है और मनुष्य रचता है तो संस्कृति। प्रकृति में सत चित आनन्द की त्रयी है तो संस्कृति में सत्य, शिव और सुन्दर की त्रय-दिव्यता है। प्रकृति में सुन्दरतम सृजन की गहन अभीप्सा है। मनुष्य प्रकृति का भाग है इसलिए मनुष्य भी सुन्दरतम सृजन की कामना से भरापूरा है। बस चित्त प्रशांत होना चाहिए। आनन्द हमारी सर्वोत्तम अभीप्सा है। हरेक सृजन का लक्ष्य आनन्द है। यह आनन्द स्वयं तक ही सीमित नहीं है। सृजन धर्म स्वयं का अतिक्रमण करता है और लोक आनन्द व लोकमंगल का हेतु सेतु बनता है। प्रकृति के पास असीम अभिव्यक्ति स्वातन्त्र्य है। प्रकृति का अभिव्यक्ति स्वातन्त्र्य संविधान की देन नहीं। वह वर्षा रचती है, कभी आंधी के साथ, कभी आंधी के पूर्व और कभी आंधी के बाद भी। वह गहन उमस के बीच भी वर्षा ले आती है। आकाश में इन्द्रधनुष रचने के लिए उसे इन्द्र या वरुण देवों की अनुमति नहीं चाहिए। मनुष्य को भी अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता है। इस स्वतन्त्रता का सदुपयोग लोकमंगल के लिए ही होना चाहिए। अन्तस में सत चित आनन्द का गीत है। सत्य, शिव और सुन्दर इसी की अभिव्यक्ति है। भारतीय परंपरा में सृजन का दिक्सूचक यही केन्द्र है।

शाश्वत तत्वों को सृजन का विषय बनाने की भारतीय परम्परा महत्वपूर्ण है। तात्कालिक विकृतियों को हटाना और शाश्वत मूल्यों की प्रतिष्ठा जरूरी है। संस्कृति के सारगर्भ से जुड़ने की यह बात महत्वपूर्ण है। साहित्य का प्रभाव समाज पर पड़ता है और समाज का साहित्य पर भी। रामकथा में रावण के चरित्र वर्णन का समाज पर गहरा असर पड़ा है, कोई भी व्यक्ति अपने बच्चों का नाम रावण नहीं रखता। विभीषण भी नहीं रखता, यद्यपि विभीषण ने राम का सहयोग किया था लेकिन देशभक्ति प्रश्नवाचक थी। लोक ने अच्छे कार्य के बावजूद उसे ह्यघर का भेदीह्व ही कहा। लेखन सृजन निरुद्देश्य नहीं होते। तुलसीदास ने अपने सृजन को ह्यस्वान्तः सुखायह्व बताया था। स्वसुख के लिए काम करना उचित भी है। सबके अपने सुख होते हैं। तुलसी का सुख लोकमंगल का विस्तार है। प्रत्यक्ष भूमण्डल के सभी लोगों और लोकों का मंगल। फिर स्व सुख और स्वान्तः सुख में अन्तर भी है। स्वान्तः में अन्तस का अन्तिम छोर है। भारतीय चिन्तन में स्व अन्तस का अन्तिम छोर विराट से जुड़ा हुआ है। तुलसी के राम अखिल लोकदायक विश्रामा हैं, उनकी राम कथा ह्यसुरसरि सम सबका हित होईह्व से ध्येयबद्ध है। सृजन का उद्देश्य लोकमंगल ही है। होना भी चाहिए।

सृजन आनन्दवर्द्धन होता है। इसका लक्ष्य लोकमंगल है। यह निराशा की तमस में आशा का दीप प्रज्वलन है। शाश्वत और चिरन्तन का नूतन आख्यान है। दृश्यमान विभाजित अनेकता के भीतर एकता का दर्शन है और सामूहिक उल्लास का संयोजन भी। भरत मुनि ने नाट्यशास्त्र में सुखान्त पर जोर दिया था। सांस्कृतिक मयार्दा का संवर्द्धन और शीलरस का संवर्द्धन भी साहित्यकार का दायित्व है। कथित प्रगतिशीलता में नेह-स्नेह के आत्मीय रिश्तों के प्रति आक्रामकता है। पिता भारतीय परम्परा में देव कहे गए हैं। हम सब माता-पिता का विस्तार हैं। वे न होते तो हम न होते लेकिन नवलेखन में प्रायः माता-पिता की वैसी प्रतिष्ठा नहीं है। महाभारतकार भी कवि या साहित्यकार थे। उनके सृजन में यक्ष प्रश्न हैं। यक्ष ने पूछा, ह्युधिष्ठिर। धरती से भी भारी क्या है? और आकाश से भी ऊंचा क्या?ह्व युधिष्ठिर ने कहा, ह्यमाता पृथ्वी से भारी है और पिता आकाश से भी ऊंचा।ह्व ऐसे लेखन में माता-पिता की प्रतिष्ठा है। परिवार प्रीतिकर संस्था है। प्रगतिशीलता उसे तोड़ रही है। परिवार का विकल्प नहीं। परिवार को मजबूत करने वाला लेखन समय की आवश्यकता है। ऋग्वेद में नदियों को प्रणाम किया गया है। नदियां प्रणाम के योग्य हैं भी। वे जलमाताएं हैं। विज्ञान भी नदियों की महत्ता स्वीकार कर चुका है। वैदिक साहित्य में विश्वामित्र और नदी का संवाद अनूठा है। विश्वामित्र जैसे पूर्वजों ने नदियों से संवाद में भरतवंशियों की तरफ से तमाम आश्वासन दिए थे। वे आश्वासन हमारे साहित्य का हिरण्य कोष हैं। लेकिन हम सबने वे आश्वासन तोड़े हैं। नदी और मनुष्य की प्रीति शून्य हो चुकी है। नदियों ने कहा था, ह्ययह संवाद याद रखना, हमारा ध्यान रखना। तुम पार उतरो, हम वैसे ही नीचे झुक रही हैं जैसे बच्चे को स्तनपान कराने के लिए मां झुकती है।ह्व विश्वामित्र ने कहा था, ह्यहे नदियों, मैं आपकी स्तुति करता रहूंगा।ह्व सामन्ती काल में अनेक चारण राजाओं की प्रशंसा गाते थे। लेकिन वे स्तोता नहीं थे, उनके गायन स्तुति नहीं थे और न ही स्तोत्र। स्तोता होना बड़ी कठिन साधना है। मन, क्रम, वचन और अन्तस से उगा सृजन ही किसी को स्तोता बनाता है। विश्वामित्र ने नदियों को आश्वासन दिया था हम भारत के लोग आपके स्तोता रहेंगे, जलमाताओं का पोषण करेंगे, तन से, मन से। वैदिक साहित्य में प्रकृति के कण-कण के प्रति आत्मीयता है। कथित प्रगतिशील दृष्टि में प्रकृति उपभोक्ता सामग्री है और भारतीय परम्परा में यही प्रकृति नमस्कारों के योग्य है। तुलसीदास के सृजन में भौतिक जगत सीयराममय है और बारम्बार प्रणम्य है-सीयराम मय सब जग जानी करूऊँ प्रणाम जोरि जुग पानी। प्रकृति के प्रति अंगांगी भाव की सतत अभिव्यक्ति जरूरी है। भारतीय संविधान में राज्य के नीति निदेशक तत्व हैं। लेखन, सृजन के भी नीति निदेशक तत्व हैं। भले ही वे संहिताबद्ध नहीं हैं, लेकिन उनका अस्तित्व है। मां-पिता की प्रतिष्ठा महत्वपूर्ण तत्व है। कथा, कहानी और काव्य में इस तत्व को ध्यान में रखना चाहिए। स्त्री आदरणीया है, माँ है, बहन है, पुत्री है, श्रद्धेय है। सम्पूर्णता का भाग है। उसे अलग करके देखना-लिखना अनुचित है। भारतीय काम सेक्स नहीं, सृजन अभिलाषा है। यहाँ काम भी अध्यात्म है।

हम सांस्कृतिक राष्ट्र हैं। करोड़ों भरतवंशी एक जन हैं। इनकी एक एकात्म अनुभूत संस्कृति है। इस संस्कृति का विकास दर्शन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से परिपूर्ण हमारे पूर्वजों ने ही किया था। उन पूर्वजों, अग्रजों, मार्गदर्शकों के प्रति आदरभाव का पुरश्चरण अपरिहार्य है और सांस्कृतिक तत्वों का भी। लेखन में हम कल्पना के पंख लगाकर उड़ते हैं, यथार्थवादी भी हो सकते हैं लेकिन भारतीय शील-मयार्दा के गंधमादन क्षेत्र के मधुरसा का उल्लंघन उचित नहीं। मधुरसा सांस्कृतिक प्रवाह का संवर्द्धन ही सृजन का ध्येय है। विचार अभिव्यक्ति की बातें ठीक हैं, लेकिन विकार-अभिव्यक्ति की नहीं।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाते राहुल गांधी

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने अमेरिका दौरे में बोस्टन की एक मीटिंग को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र चुनाव का उल्लेख कर चुनाव पर बड़े सवाल उठाए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में चुनाव आयोग 'कंप्रोमाइज्ड' है। राहुल गांधी ने मैच-फिक्सिंग महाराष्ट्र शीर्षक से 7 जून को एक लेख लिखा, जो कई अखबारों में छपा। उन्होंने भाजपा पर सुनियोजित तरीके से चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप लगाते हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाया।

डॉ. आशीष वशिष्ठ

नवंबर 2024 में महाराष्ट्र चुनाव में करारी पराजय के बाद कांग्रेस और उसके कुछ सहयोगी दलों ने चीखना शुरू कर दिया था- 'ईवीएम में भूत है, जो भाजपा को ही वोट भेजता है। अप्रैल 2025 में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने अमेरिका दौरे में बोस्टन की एक मीटिंग को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र चुनाव का उल्लेख कर चुनाव पर बड़े सवाल उठाए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में चुनाव आयोग 'कंप्रोमाइज्ड' है। राहुल गांधी ने ह्यमैच-फिक्सिंग महाराष्ट्रह्व शीर्षक से 7 जून को एक लेख लिखा, जो कई अखबारों में छपा। उन्होंने भाजपा पर सुनियोजित तरीके से चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप लगाते हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाया। यह कोई पहला ऐसा मौका नहीं है जब राहुल गांधी ने संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठया हो या फिर उन्हें कटघरे में खड़ा करने का काम किया हो। वो आदतन अक्सर ऐसा करते रहते हैं। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग को स्वतंत्र और स्वायत्त संस्था के रूप में स्थापित करता है जिसे संसद, राष्ट्रपति, विधानसभा और सभी निर्वाचित निकायों के चुनाव निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से संपन्न कराने का दायित्व दिया गया है। यह संस्था न तो कार्यपालिका के अधीन है और न ही किसी राजनीतिक दबाव में काम करती है। भारतीय निर्वाचन आयोग केवल एक प्रशासनिक निकाय नहीं बल्कि विवाद-निराकरण और मतदाता-विश्वास निर्माण की भी जिम्मेदारी निभाता है। आयोग मतदान प्रक्रिया को विश्वसनीय बनाने के लिए कई स्तर पर काम करता है।

राहुल गांधी सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए कुछ भी बयान देते हैं, पर तर्क और तथ्य की कमी होती है। इससे समाज में भ्रम फैलता है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर पड़ती है। विदेशी धरती पर जाकर वो देश का अपमान, मोदी सरकार की आलोचना और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर सवाल उठाने का कोई अवसर चूकते नहीं हैं।

2024 के लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी ने अमेरिका के नेशनल प्रेस क्लब में कहा कि 'भारत में लोकतंत्र पिछले 10 सालों से टूटा (ब्रोकेन) हुआ था, अब यह लड़ रहा है।' उनका यह कहना लोकतंत्र की मूल भावना पर ही सवाल उठाता है। खासकर तब जब भारत में लगातार चुनाव होते रहे हैं और सरकारें बदलती रही हैं। बीते 10-11 वर्षों में देश में कई ऐसी सरकारें बनी हैं, जिसमें भाजपा को हराने के बाद कांग्रेस को मौका मिला है। मतलब, अगर नतीजे राहुल और उनकी पार्टी के लिए अच्छे रहें तो लोकतंत्र ठीक है और नहीं तो वह ब्रोकेन हो जाता है। सितंबर 2023 में राहुल गांधी ने ब्रसेल्स में यूरोपियन यूनियन में कहा कि भारत में 'फुल स्केल एसॉल्ट' हो रहा है। उन्होंने भारतीय संस्थाओं की निष्पक्षता पर संदेह जताया। मई 2022 में लंदन में 'आइडियाज फॉर इंडिया' सम्मेलन में राहुल ने कहा कि भारत की संस्थाएं 'परजीवी' बन गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 'डीप स्टेट' भारत को चबा रहा है। यहां 'डीप स्टेट' का मतलब सरकार के अंदर छिपे हुए ऐसे ताकतवर लोग हैं जो अपने फायदे के लिए काम करते हैं। राहुल गांधी ने भारत की तुलना पाकिस्तान जैसे अस्थिर लोकतंत्र से भी कर दी।

2017 में ही अमेरिका में राहुल गांधी ने कहा कि भारत अब वह नहीं रहा जहां हर कोई कुछ भी कह सकता है। उन्होंने विदेश की धरती पर भारत में 'फ्री स्पीच' की स्थिति पर संदेह पैदा करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि भारत में सहनशीलता खत्म हो गई है जबकि, हकीकत ये है कि राहुल गांधी संसद से लेकर सड़क तक जब जो जी में आता है, बयान देते रहे हैं और सरकार को छोड़ दें, शायद ही कोई संवैधानिक संस्था बची हो, जिस पर उन्होंने निशाना न साधा हो। राहुल गांधी यह क्यों भूल जाते हैं कि भारतीय चुनाव आयोग ने ही वे चुनाव संपन्न करवाए हैं, जिनके दम पर वह आज विपक्ष के नेता पद पर बैठे हुए हैं। उनके परिवार के तीन-तीन सदस्य इन्हीं चुनावी प्रक्रियाओं का सहारा लेकर संसद में मौजूद हैं। यहीं की संवैधानिक संस्थाओं ने उन्हें इतनी राहत दी हुई है कि नेशनल हेराल्ड केस में गंभीर आरोपों के बावजूद वो और उनकी मां सोनिया गांधी को जमानत मिली हुई है। बीते कुछ वर्षों में राजनीतिक तौर पर भले भारत की चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाने का चलन बन गया हो लेकिन भारत के चुनाव आयोग की प्रशंसा केवल देश के भीतर ही नहीं संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय चुनाव पर्यवेक्षकों और कई विदेशी सरकारों द्वारा भी की गई है। हार्वर्ड कैनेडी स्कूल के 2020 के एक अध्ययन में भारत के चुनाव आयोग को ह्यवन ऑफ दी मोस्ट रोबस्ट इलेक्टोरल इंस्टीटूशन्स ग्लोबलीह्व (विश्व स्तर पर सबसे मजबूत चुनावी संस्थाओं में से एक) कहा गया। यही नहीं 2014, 2019 और 2024 के आम चुनावों में भारत ने पूरी दुनिया को दिखाया कि तकनीक, प्रशिक्षण और जनता की भागीदारी के माध्यम से एक निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव संभव है।

बीते मई को बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने चुनाव आयोग से मुलाकात कर चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता, पारदर्शिता और स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को उठाया था। यह बातचीत निर्वाचन आयोग की उस नई पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य राजनीतिक दलों की चिंताओं और सुझावों को सीधे तौर पर सुनकर चुनावी प्रक्रिया को अधिक मजबूत और पारदर्शी बनाना है। चुनाव आयोग ने अब तक देशभर में कुल 4,719 सर्वदलीय बैठकें आयोजित की हैं। इन बैठकों में अब तक 28,000 से अधिक राजनीतिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया है। चुनाव आयोग ने राहुल गांधी से लिखित में तथ्यों की मांग की और चर्चा के लिए भी आमंत्रित किया है और अब यह दायित्व बनता है कि आरोप लगाने वाले नेता उन्हें उचित प्रक्रिया के अनुसार प्रस्तुत करें। हालांकि राहुल गांधी के पूर्व रिकार्ड के हिसाब से ऐसा लग नहीं रहा है कि वो चुनाव आयोग के सामने जाएंगे। इसके लिए उन्होंने अभिषेक सिंघवी, विवेक तन्खा जैसे बड़े वकीलों और पार्टी के अन्य नेताओं को रखा हुआ है। राहुल गांधी का काम सिर्फ आरोप लगाना है। अगर एजेंसी आरोपों का जवाब देना चाहती है तो वह सुनना उनका काम नहीं है। कमोबेश ऐसा ही आचरण उनका संसद में भी है। असल में राहुल गांधी आरोप लगाकर सामने वाले का पक्ष या जवाब सुनने की बजाय कोई नया आरोप लगाने की तैयारी में जुट जाते हैं। तथ्य और तर्क से उनका कोई लेना-देना नहीं रहता।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

क्यों रखा जाता है अपरा एकादशी का व्रत?

हिंदू धर्म में नवरात्रि का विशेष महत्व होता है। हर साल नवरात्रि का पर्व साल में 4 बार मनाया जाता है। जिनमें से दो प्रमुख नवरात्रि चैत्र और शारदीय हैं। जिनको बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। वहीं दो गुप्त नवरात्रि होती हैं। गुप्त नवरात्रि का महत्व विशेष इच्छाओं की पूर्ति और गुप्त सिद्धियों के लिए होता है। वहीं आषाढ़ नवरात्रि की पूजा गोपनीय तरीके से की जाती है। आषाढ़ माह में पड़ने वाली गुप्त नवरात्रि इन्हीं में से एक है। तो आइए जानते हैं आषाढ़ नवरात्रि पर मुहूर्त, पूजन विधि और महत्व के बारे में...

गुप्त नवरात्रि की शुरूआत

बता दें कि आषाढ़ गुप्त नवरात्रि की शुरूआत 26 जून 2025 से हो रही है। इसकी समाप्ति 04 जुलाई 2025 को होगी। इस बार गुप्त नवरात्रि पूरे 9 दिनों तक है। वहीं घटस्थापना का मुहूर्त 26 जून की सुबह 05: 25 से 06:58 तक है। वहीं अभिजीत मुहूर्त 11:56 से 12:52 मिनट तक रहेगा।

कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त- सुबह 05:28 मिनट से सुबह 07:10 मिनट तक।

अभिजीत मुहूर्त- सुबह 11:58 मिनट से दोपहर 12:54 मिनट तक

महत्व

आषाढ़ माह के गुप्त नवरात्रि के 9 दिनों में दस महाविद्याओं की पूजा-अर्चना की जाती है। यह दस महाविद्याएं मां काली, तारा देवी, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, छिन्नमस्ता, त्रिपुर भैरवी, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी और कमला देवी हैं। इन दस महाविद्याओं की उपासना से जातक को विशेष सिद्धियां प्राप्त होती हैं और सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। बता दें कि आषाढ़ गुप्त नवरात्रि में पूजा करने से ग्रह बाधाएं, नजर दोष, कुंडली के सभी प्रकार के दोष और तंत्र बाधाएं दूर होती हैं।

सेहत

तांबे के बर्तन में रखा पानी से एसिडिटी समस्या से मिल सकती है राहत

कई लोगों को एसिडिटी की समस्या होती है। जिसका सामना हम सभी कभी न कभी करते हैं। कई बार सुबह उठते ही सीने या फिर गले में जलन का एहसास होता है या फिर हैवी मील लेने के बाद गैस या ब्लोटिंग की समस्या का सामना करना पड़ता है। वहीं मसालेदार खाना, स्ट्रेस या अनियमित खाने के समय के कारण एसिडिटी की समस्या हो सकती है। एसिडिटी की समस्या होने पर लोग तरह-तरह की दवाओं का सेवन करते हैं। लेकिन आप घर के घरेलू उपायों की मदद से इस समस्या से राहत पा सकते हैं। भले ही यह नुस्खा आपको पुराना या बेकार लगे, लेकिन यह वास्तव में बेहद कारगर नुस्खा है। दरअसल, तांबा कोई आम धातु नहीं है, बल्कि इसमें सूजन कम करके, शरीर को हील करने और पाचन को बेहतर बनाने वाले गुण पाए जाते हैं। जब तांबे के बर्तन में कुछ देर पानी रखा जाता है, तो इस पानी में हल्के-हल्के तांबे के कण घुल जाते हैं। यह पानी पेट के लिए काफी फायदेमंद होता है। साथ ही इस पानी को पीने से एसिडिटी और पेट से जुड़ी समस्याएं खत्म होती हैं।

तांबे में होता है अल्कलाइन

तांबे के बर्तन में रखा पानी इसलिए भी अच्छा माना जाता, क्योंकि इसमे नेचुरली अल्कलाइन पाया जाता है। वहीं यह एसिडिटी से राहत दिलाने का काम करता है। कई बार गलत समय पर खाना खाने, जंक फूड खाने या फिर तनाव के कारण पेट में एसिड बढ़ जाता है। लेकिन जब आप तांबे के बर्तन में पानी रखते हैं, तो तांबे के गुण मिल जाते हैं। इससे पेट का एसिड कम होने के साथ एसिडिटी से भी आराम मिलता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

राज्य सरकार की योजनाएं घर-घर तक पहुंच रही है : मंत्री

मंत्री और अतिथियों ने सिद्धो कान्हू के वंशजों को मुख्य मंच पर उपहार देकर किया सम्मानित

संवाददाता

साहिबगंज/बरहेट : मंत्री रामदास सोरेन ने हूल दिवस समारोह के मुख्य कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि 1855 में आज के ही दिन भोगनाडीह से अमर वीर शहीद सिद्धो कान्हू के नेतृत्व में आदिवासियों ने अन्याय शोषण और ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ बिगुल फूंका था।आज पूरा देश अपने इन महानायकों को नमन कर रहा है। यह प्रेरणा दिवस है। हम सभी अपने अमर शहीद सिद्धो कान्हू, चांद-भैरव और फूलो -झानो के इतिहास, संघर्ष और बलिदान से प्रेरणा लेकर अपने समाज और राज्य को मजबूत बनाने का संकल्प लें। उनके आदर्शों के अनुरूप झारखंड को संवारना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी । यह झारखंड वीरों और शहीदों की धरती है। इस प्रदेश के कोने-कोने से अनेकों महानायक निकले हैं। जिन्होंने अन्याय -शोषण गुलामी को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने अपनी भाषा, संस्कृति, परंपरा, सभ्यता और जल, जंगल, जमीन बचाए रखने के लिए लम्बा संघर्ष किया। ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ उलगुलान कर अंग्रेजों की जड़े हिला दी। अपने संकल्प पर अडिग रहते हुए शहीद हो गए। इन पूर्वजों के बलिदान का परिणाम है कि आज हम सुरक्षित हैं। हमारी सरकार की नीतियों कार्यक्रमों और योजनाओं से राज्य विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। हमारी योजनाएं घर-घर तक पहुंच रही हैं। हमारी सरकार आदिवासियों मूलवासियों, गरीबों, मजदूरों, दलितों, पिछड़ो और अल्पसंख्यकों को सशक्त बना रहें हैं। अपनी इन व्यवस्थाओं को मजबूत कर ही हम राज्य को नई दिशा और दशा दे सकते हैं। मंत्री जी ने बताया कि हमारी सरकार की अनेकों योजनाएं हैं जिसका लाभ यहां के लोगों को मिल रहा है। चाहे शिक्षा का क्षेत्र हो या स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि, सिंचाई, पशुपालन, उद्योग,खेल या और कोई सेक्टर हर किसी के लिए योजनाएं हैं आप इन योजनाओं से जुड़े और अपने को सशक्त बनाने के साथ राज्य के विकास में भागीदार बनें। जबकि माननीय मंत्री और अतिथियों द्वारा मुख्य मंच पर सिद्धो कान्हू के वंशजों श्री बड़ा मंडल मुर्मू, श्री भादो मुर्मू, श्री छोटू मुर्मू ,श्रीमती ऐन्जेला किस्कू, सोनामुनी सोरेन, श्री भागवत मुर्मू,प्रधान मुर्मू एवं अन्य को उपहार देकर सम्मानित किया। इसके पूर्व माननीय मंत्री, माननीय सांसद, माननीय विधायक ने पंचकठिया स्थित शहीद स्थल एवं भोगनाडीह पार्क में सिद्धो कान्हू को श्रद्धा सुमन श्रद्धांजलि अर्पित किया । इस मौके पर माननीय सांसद,राजमहल श्री विजय कुमार हांसदा, माननीय विधायक बोरियो श्री धनंजय सोरेन, माननीय विधायक राजमहल मोहम्मद ताजुद्दीन, जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती मोनिका किस्कू, उपायुक्त हेमंत सती, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह समेत कई पदाधिकारी मौजूद थे।

नाबालिगों को बहला-फुसलाकर हैदराबाद ले जाने वाला आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के राधानगर गांव से बीते दिनों एक विवाहिता महिला और उसके दो नाबालिग बच्चों को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में रविवार देर शाम ग्रामीणों ने मुख्य आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, महेशबथान निवासी नेपाल मंडल ने राधानगर थाना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी पत्नी नमिता देवी और दो नाबालिग बेटों को बहला-फुसलाकर हैदराबाद ले जाया गया है। उन्होंने पुलिस से अपनी पत्नी को सुरक्षित बरामद करने और आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की थी। नेपाल मंडल ने अपने आवेदन में बताया था कि करीब दो महीने पहले उनकी पत्नी नमिता देवी का जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के चमार टोली निवासी टिंकू मंडल बंगाली से फेसबुक के जरिए परिचय हुआ था। बताया जाता है कि लगभग 15 दिन पहले टिंकू मंडल महेशबथान में मकान बनाने के सिलसिले में आया था। इसके बाद 11 जून, बुधवार को अचानक नमिता देवी अपने दो बच्चों के साथ कहीं लापता हो गईं। परिजनों ने रिश्तेदारों और आसपास के क्षेत्रों में काफी खोजबीन की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिल सका था।घटना के एक या दो दिन बाद नेपाल मंडल को पता चला कि उनकी पत्नी और दोनों नाबालिग बेटों को टिंकू मंडल हैदराबाद ले गया है। रविवार देर शाम, आरोपी टिंकू मंडल अपहत विवाहिता नमिता देवी और दोनों नाबालिग बच्चों के साथ बेगमगंज स्थित गोबरगाड़ी गांव आया हुआ था। इसकी जानकारी मिलते ही विवाहिता के परिजनों और ग्रामीणों ने आरोपी को घेर लिया और राधानगर थाना पुलिस को सूचित किया।सूचना पाकर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी टिंकू मंडल को हिरासत में ले लिया और उसे थाने ले गई। वहीं, विवाहिता नमिता देवी को उसके पति नेपाल मंडल को सौंप दिया गया है। ग्रामीणों और परिजनों का कहना है। कि आरोपी को पुलिस को सौंपते समय उन्होंने लिखित शिकायत भी दर्ज कराई है। वहीं, इस संबंध में पूछे जाने पर राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि उनके पास इस मामले में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

सदर अस्पताल में उधवा की प्रसूता की मौत पर परिजनों का बवाल

अस्पताल प्रबंधन पर लगाया लापरवाही का आरोप

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : साहिबगंज सदर अस्पताल में एक प्रसूता की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का गंभीर आरोप लगाते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की। मृतका की पहचान उधवा के बाबूटोला निवासी एसके सोहराब की पत्नी मुमताज खातून 28 वर्ष के रूप में हुई है। मृतका के भाई मो. हारून रसीद ने आरोप लगाया कि रविवार रात मुमताज खातून की तबीयत बिगड़ने पर कोई भी महिला डॉक्टर मौजूद नहीं थी, जिसके कारण उनकी बहन की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मुमताज को रविवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जब उनकी हालत बिगड़ी और कोई महिला डॉक्टर नहीं मिली तो उन्होंने सिविल सर्जन से बात की। सीएस के हस्तक्षेप के बाद सीजर ऑपरेशन किया गया।ऑपरेशन के बाद भी मुमताज की तबीयत बिगड़ने लगी और उन्हें ऑक्सीजन दिया गया। देर रात मुमताज को चमकी आया, जिस पर उन्होंने सिस्टर को तुरंत महिला डॉक्टर को बुलाने के लिए कहा। लेकिन उनका आरोप है कि कोई भी महिला डॉक्टर उपलब्ध नहीं हुई और इसी लापरवाही के चलते सुबह करीब चार बजे मुमताज खातून ने दम तोड़ दिया। परिजनों का दर्द और गुस्सा इस बात को लेकर था कि यदि समय पर डॉक्टर आ जातीं तो शायद मुमताज की जान बच सकती थी। प्रसूता की मौत और उसके बाद हुए हंगामे की सूचना मिलते ही जिरवाबाड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था और उनकी चीख-पुकार से अस्पताल का माहौल गमगीन हो गया। इधर इमरजेंसी में मौजूद डॉक्टर डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि प्रसूता को चमकी आया था और जांच के दौरान ही उनकी मौत हो गई। हंगामे के कारण अस्पताल के कई स्वास्थ्यकर्मी मौके से चले गए, जिससे लगभग दो घंटे तक अन्य मरीजों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

जमीनी विवाद में दो पक्षों में झड़प, दस घायल

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के उत्तर पलासगाछी में सोमवार को जमीनी विवाद को सुलझाने के लिए बुलाई गई पंचायती के समय दोनों पक्षों के लोग आपस में भिड़ गए। इस दौरान मारपीट में 10 लोग घायल हो गए। जिनमें से दो की हालत गंभीर होने पर उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार यह घटना उत्तर पलासगाछी गांव में हुई। प्रथम पक्ष से हाजी टोला निवासी सिराजुल शेख 50वर्ष आसीर शेख 25 और अजमत शेख 53 जख्मी हुए। वहीं, दूसरे पक्ष के खट्टी टोला निवासी मजबूर शेख 44 सुलतान शेख 22 एनुल शेख 33 आलमगीर 31 इरफान शेख 25 सलीमा बीबी 30 और नावेरा बीबी 25 वर्ष घायल हो गए।सभी घायलों को तत्काल इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में मौजूद चिकित्सकों ने सभी का उपचार किया।लेकिन आसीर शेख और अजमत शेख की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। घटना की सूचना राधानगर थाना पुलिस को दे दी गई है। पुलिस इस पूरे मामले की गहनता से छानबीन कर रही है।

पानी भरने के दौरान बच्ची को लगी चोट

साहिबगंज : मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत लालबथानी निवासी जुबेर अली के 13 वर्षीय पुत्री तंजीला खातून का चापानल नल से पानी भरने के दौरान फिसल कर गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गई।जहां परिजनों ने आनन -फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया।वही ड्यूटी पर रहे डॉक्टर मुकेश कुमार के देख रेख में इलाज किया जा रहा है। वही घायल के पिता जुबेर अली ने बताया कि सोमवार की दोपहर में पानी भरने चापानल के पास गई और पैर फिसल गिर गई ।वही बगल में एक तीन का टुकड़ा था।जिससे मेरी पुत्री तंजीला के शरीर लग के जख्मी कर दिया और मेरी पुत्री गंभीर रूप से घायल हो गई।वही घायल तंजीला के कमर में गंभीर चोट लगी है।

हूल दिवस पर एसकेएमयू में कार्यक्रम, सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

संवाददाता

दुमका : सोमवार को हूल दिवस के अवसर पर सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. कुनुल कंदिर की अध्यक्षता में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हिंदी विद्यापीठ देवघर की कुलपति एवं गोता भारत हुल बैसी की अध्यक्ष प्रो. प्रमोदिनी हांसदा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय परिसर के स्मारक टीले पर स्थित वीर सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। इसके बाद विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन-2 स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में मुख्य कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम स्थल पर मुख्य अतिथि का स्वागत संथाल परंपराओं के प्रतीक लोटा-पानी से किया गया। कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत और दीप प्रज्वलन से हुई, इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ और शॉल प्रदान कर किया गया।

कुलसचिव डॉ. राजीव कुमार ने अपने स्वागत भाषण में सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए कहा कि यह दिन विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि विश्वविद्यालय का नाम उन्हीं वीरों के नाम पर है जिन्होंने हूल क्रांति का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि यह नाम आज भी प्रासंगिक है क्योंकि यह विश्वविद्यालय संथाल परगना की धरती पर स्थित है, जो हूल क्रांति की ऐतिहासिक भूमि रही है। उन्होंने कहा कि हूल केवल एक घटना नहीं, बल्कि एक विचार है–जो आज भी कुरीतियों, अव्यवस्थाओं और सामाजिक अन्याय के खिलाफ खड़ा होता है। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से आग्रह किया कि आगामी एक वर्ष के लिए यह संकल्प लें कि समाज में जहां भी अन्याय हो, वहां हूल की भावना के साथ जागरूकता फैलाएं।

डीएसडब्ल्यू डॉ. जयनेंद्र यादव ने इस अवसर पर कहा कि हूल दिवस एक महत्त्वपूर्ण घटना है–यह झारखंड के वीरों की गाथा है। उन्होंने कहा कि यह विद्रोह केवल अंग्रेजों ही नहीं, बल्कि साहूकारों के अन्याय के विरुद्ध था। उन्होंने कहा कि आज भी हमारे सामने भुखमरी, शिक्षा की कमी, पलायन, शहरीकरण, दलित-पिछड़ा विमर्श, आर्थिक दोहन और राजनीतिक भागीदारी की न्यूनता जैसी समस्याएं हैं, जिनके समाधान के लिए हूल की चेतना आवश्यक है। अनुसूचित जनजातियों की समस्याओं और उनकी पारंपरिक ज्ञान-व्यवस्था को संरक्षित करने के लिए भी हूल की आवश्यकता है। उन्होंने प्रति कुलपति प्रो. बिमल प्रसाद सिंह के नेतृत्व को सराहते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में विश्वविद्यालय ने नई ऊंचाइयों को छुआ है।

मुख्य अतिथि प्रो. प्रमोदिनी हांसदा ने अपने संबोधन में कहा कि पहले हूल दिवस का कार्यक्रम सीमित रूप से आयोजित होता था, लेकिन अब विश्वविद्यालय ने इसे बड़े स्तर पर मनाना शुरू किया है जो कि अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि आज संथाल गांवों में सिदो-कान्हू की मूर्तियाँ स्थापित की जा रही हैं, जो यह दशार्ता है कि हूल की चेतना अभी भी जीवित है। उन्होंने विश्वविद्यालय की स्थापना को भी हूल क्रांति की प्रेरणा का परिणाम बताया और कहा कि यहां से पढ़े छात्र अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं।

प्रति कुलपति प्रो. बिमल प्रसाद सिंह ने ह्लहूल जोहारह्व के साथ अपना भाषण शुरू करते हुए कहा कि किसी भी दिवस को मनाने के पीछे एक गहरी भावना छिपी होती है। हूल दिवस हमारे अस्मिता और स्वाभिमान की रक्षा में बलिदान देने वाले वीरों को स्मरण करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि यह विद्रोह जमींदारी प्रथा के विरुद्ध अस्मिता की लड़ाई था। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे सिदो, कान्हू, चाँद, भैरव, फूलो और झानो के पदचिह्नों पर चलें। उन्होंने यह भी कहा कि सामाजिक परिवर्तन और सकारात्मक विकास के लिए जब भी आवश्यकता हो, हूल की भावना से प्रेरित होकर कार्य करना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

तत्पश्चात, विगत दिनों विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुनः प्रस्तुति का अवसर दिया गया। देवघर कॉलेज की अंशिका झा ने एकल गीत प्रस्तुत किया, जूलॉजी विभाग की पूनम सोरेन ने एकल नृत्य, स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग की छात्राओं ने सामूहिक गीत और भूगोल विभाग की छात्र-छात्राओं ने सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया। इसके बाद मुख्य अतिथि, कुलपति एवं प्रति कुलपति द्वारा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

अपने अध्यक्षीय भाषण में कुलपति प्रो. कुनुल कंदिर ने सभा को ह्लहूल जोहारह्व के साथ संबोधित करते हुए कहा कि यह पर्व इस क्षेत्र का सबसे बड़ा और गौरवपूर्ण उत्सव है, जो हमारे स्वाभिमान, जल-जंगल-जमीन और अस्मिता की रक्षा से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि हूल क्रांति अत्याचार और अन्याय के विरुद्ध एक सशक्त संगठित आंदोलन था, जिसमें वीर-वीरांगनाओं ने अपने प्राणों की आहुति देकर संथाल परगना की आत्मा को बचाया। उन्होंने कहा कि हूल सेनानियों के अद्वितीय नेतृत्व और संगठन क्षमता के कारण ही आज भी इस क्षेत्र की जमीन और पहचान सुरक्षित है। उन्होंने विशेष रूप से एसपीटी एक्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि यह कानून यहाँ की जमीन को सुरक्षित करता है और समाज को इसके प्रति जागरूक रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज भी सामाजिक कुरीतियों और विवि की आंतरिक चुनौतियों के खिलाफ ₹शैक्षिक हूल₹ की आवश्यकता है, जैसे कि नए विषयों की शुरूआत और लॉ कॉलेज की स्थापना। उन्होंने विद्यार्थियों की सहभागिता की सराहना करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम का संचालन शोध छात्राओं स्निग्धा हासदा और अन्नू मोनिका ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. पूनम हेम्ब्रम ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी पदाधिकारी, सभी संकायों के डीन, विभागाध्यक्ष, विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य, सीनेट और सिंडिकेट सदस्य, शिक्षकगण, शिक्षकेतर कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

न्यूज IN ब्रीफ

संथाल हूल ही था आजादी की पहली लड़ाई : डॉ अमरेंद्र

दुमका : 171वां हूल दिवस के मौके पर राष्ट्रीय जनता दल के जिलाध्यक्ष डॉ अमरेंद्र कुमार यादव के नेतृत्व में सोमवार को राजद कार्यकताओं ने पोखरा चौक स्थित सिदो कान्हू के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके बलिदान को याद किया। राजद जिलाध्यक्ष डॉ. अमरेंद्र कुमार यादव ने कहा कि संथाल हूल ही आजादी की पहली लड़ाई था। आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों के छक्के छुड़ाने वाले आदिवासियों के संघर्ष गाथा और उनके बलिदान को याद करने का यह खास दिन है। सिद्धो-कान्हू, चाँद भैरव, फूलो झानो आदि शहीदों को याद करते हुए अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ विद्रोह के प्रतीक के तौर पर हूल दिवस मनाया जाता है। उनके बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। कार्यक्रम में प्रवीर कुमार वर्मा, प्रमोद पंडित, जितेश कुमार दास, मोहम्मद लतीफ, बाबूराम हासदाँ, पानेसल टुडू, पंकज यादव, ललित यादव, प्रदीप मंडल, रामसुंदर पंडित, लक्ष्मी नारायण राउत, जयधन मुर्मू, अनूपलाल मुर्मू, गणेश भंडारी, अनिल पंडित, मयंक रंजन, अनिल राउत सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

दोनों लालों ने आजादी की पहली लड़ाई अंग्रेजों के खिलाफ लड़ी थी : चतुरानंद पांडे

साहिबगंज : आजसू जिला अध्यक्ष चतुरानंद पांडे के नेतृत्व में स्थानीय स्टेडियम में स्थित महान स्वतंत्रता सेनानी हुल क्रांति के महानायक सिद्धू कान्हू जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर हुल दिवस की महानायक को श्रद्धांजलि दी गई।इस दौरान आजसू जिला अध्यक्ष चतुरानंद पांडे ने कहा की 30 जून को हर वर्ष हुल दिवस मनाया जाता है।यह दिवस समर्पित है उन वीर संथाल आदिवासियों को जिन्होंने अपनी जल जंगल जमीन की रक्षा के लिए अंग्रेजों के खिलाफ सशस्त्र आंदोलन किया।उन्होंने कहा की संथाल हुल की दो वीरांगना फूलों जानू की भी अहम भूमिका इस क्रांति में रही है।श्री पाण्डेय ने कहा की भारत मां के इन दोनों लालो ने आजादी की पहली लड़ाई अंग्रेजों के खिलाफ लड़ी थी।आज की युवाओं को शहीदों के द्वारा किए गए अपने समाज पिछला अन्याय के विरुद्ध लड़ी गई लड़ाई याद रखना चाहिए और अपने समाज देश के लिए फिर से एक बार सामाजिक समरसता को बनाए रखने के लिए अपनी संस्कृति धरोहर को रक्षा करने के लिए हुल क्रांति की आवश्यकता है।कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला संगठन सचिव विभाश शाह,पंकज हांसदा,राजेश राय,शशिकांत दुबे,नगर अध्यक्ष गोविंद पासवान,दिनेश यादव, विश्वनाथ महलदार,मोहम्मद करीम खान, सोनू मिश्रा,वकील मंगल,संतोष पासवान,नारायण सिंह,जयप्रकाश यादव सहित अन्य लोग मौजूद थे।

हूल विद्रोह मे हजारों लोग एकत्रित हुए थे और अपनी कुर्बानी दी थी : डॉ ध्रुव ज्योति

साहिबगंज : हूल दिवस के अवसर पर महिला महाविद्यालय मे प्रभारी प्राचार्य डॉ ध्रुव ज्योति कुमार सिंह के नेतृत्व मे हूल दिवस मनाया।जहाँ प्रभारी प्राचार्य शिक्षक छात्राएं ने सिदो कान्हू की प्रतिमा पर मल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।प्रभारी प्राचार्य ने कहा की 30 जून 1855 ई को आदिवासियों के नायक सिदो कान्हू के नेतृत्व मे साहिबगंज जिले के भोगनाडीह गांव से विद्रोह शुरू हुआ ओर उस दिन आजादी की पहली लड़ाई लड़ी गई थी।उस लड़ाई का नेतृत्व सिदो कान्हू ने किया ओर उस विद्रोह मे हजारों लोग एकत्रित हुए थे और उसमे कई लोगो ने अपनी कुबार्नी दी थी.मौके पर प्रोफेसर डॉक्टर पूर्णिमा लकड़ा,प्रीति प्रिया मरांडी,संध्या शशि खाखा,प्रिया हांसदा,डॉ सबिता शिक्षकेत्तर सहित छात्राएं मौजूद थे।

पूरे घटनाक्रम की उच्च स्तरीय जांच हो : राजाराम मरांडी

साहिबगंज/बरहेट : हूल दिवस पर भोगनाडीह में जो भी हिंसक घटनाक्रम हुआ उसके पीछे भाजपा की सोची समझी साजिश है। भाजपा इसके लिए बीते 15 दिनों से तैयारी कर रही थी।भाजपा के नेता पर्दे के पीछे रहकर वंशज परिवार के मंडल मुर्मू को आगे कर कुछ अन्य लोगों के सहयोग से इस घटनाक्रम को अंजाम देने की तैयारी की थी।यह जांच का विषय है।ये बाते झामुमो के जिला प्रवक्ता राजा राम मरांडी ने प्रेस बयान जारी कर कहा.उन्होंने कहा कि संगठन की ओर से आयोजित सिदो कान्हू मुर्मू हूल फाउंडेशन व आतु मांझी वैसी जैसे संगठन के पास इतने पैसे कहां से आए कि उसने अपने तथाकथित कार्यक्रम के लिए भोगनाडीह में जर्मन हैं। जैसा आधुनिक पंडाल तैयार करवा रहा था।सर्वविदित है कि जर्मन हैंगर पंडाल बनाने में कम से कम 10 लाख रुपए खर्च आता है।श्री मरांडी ने कहा की क्षेत्र में आम चर्चा है कि पिछले 10-15 दिनों से दुमका और राज्य के विभिन्न हिस्सों से भाजपा के लोग रात के अंधेरे में कीमती व लग्जरी गाड़ियों में यहां आते थे और गुप्त बैठक कर भोगनाडीह में अशांति फैलाने की साजिश रच रहे थे।उन्होंने कहा की झामुमो की मांग है

पंचायत 4 की

रिंकी सानविका नहीं देना चाहती थी ऑडिशन

पॉपुलर वेब सीरीज पंचायत 4 प्राइम वीडियो पर दस्तक दे चुकी है. वेब सीरीज के नए सीजन को मिलाजुला रिस्पॉन्स मिल रहा है. पंचायत के अभी तक तीन सीजन में नजर आने वाले सभी किरदार ने अपनी एक्टिंग के दम पर छाप छोडी है. वेब सीरीज में रिंकी का रोल करने वाली एक्ट्रेस सानविका काफी अहम भूमिका में नजर आती हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि वेब सीरीज पंचायत के लिए सानविका ऑडिशन भी नहीं देना चाहती थी. सानविका ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया है इसके बाद उन्हें ये रोल कैसे मिला और उनके लिए कितना मायने रखता है.

पंचायत की रिंकी ने अपनी कास्टिंग को लेकर की बात

पंचायत की रिंकी यानी सानविका ने एक इंटरव्यू के दौरान वेब सीरीज में अपनी कास्टिंग को लेकर बात की है. उन्होंने बताया है कि किस तरह से उन्हें इसका ऑफर मिला था और वो इसका ऑडिशन भी नहीं देना चाहती थी.

सानविका की एक शख्स से हुई मुलाकात

एक्ट्रेस सानविका ने बताया कि वह रोजाना कास्टिंग कंपनी में एड के ऑडिशन के लिए जाती थी. एक बार जब वो ऑडिशन देने आईं तो उनकी मुलाकात कास्टिंग कंपनी में काम करने वाले एक शख्स से हुई थी.

सानविका को ऑफर हुई वेब सीरीज

सानविका ने आगे बताया, उस शख्स ने मुझसे कहा कि आपके लिए एक वेब सीरीज में रोल है. आप उसका ऑडिशन दे दीजिए जब मुझे पता चला कि सीरीज क्या है और कौन बना रहा है तो मैं हैरान हो गई और मैंने अपने आप को खुद से रिजेक्ट कर दिया. मैंने सोचा किया रोल मुझे क्यों मिलेगा

सानविका ने दोबारा फोन आने पर दिया ऑडिशन

उस शख्स ने मुझे कई ऑडिशन देने के लिए कहा लेकिन मैं नहीं गई. फिर कास्टिंग कंपनी से मुझे दोबारा कॉल आया. जिसके बाद मैंने सोचा कि चलो ऑडिशन तो दे ही देते हैं.

सानविका बोलीं- पंचायत में काम करना सपने जैसा

रणदीप हुड्डा का दिखा नया अवतार, फैंस हैरान

अभिनेता रणदीप हुड्डा ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए अपना नया लुक शेयर किया है। ऐसा लुक जिसे देख फैंस हैरान हैं। अभिनेता ने अपने नए लुक की तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की। तस्वीर में एक्टर आधे गंजे नजर आ रहे हैं। उनके सिर पर दोनों साइड तो बाल दिखाई दे रहे हैं, लेकिन बीच से बाल गायब हैं, साथ ही एक्टर की हेयरलाइन भी पीछे जाती हुई नजर आ रही है। पोस्ट को देखकर फैंस भी काफी हैरान हो रहे हैं। पोस्ट शेयर कर अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, 'इस मंगलवार के लिए कौन-सी चाय? सिर्फ कॉफी ही नहीं है, जो बन रही है!' सूत्रों के मुताबिक, यह नया लुक हाल ही में एक नए प्रोजेक्ट के ट्रायल से है, जिसकी शूटिंग रणदीप जल्द ही शुरू करने वाले हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता हाल ही में फिल्म स्टार सनी देओल की हाई एक्शन फिल्म जाट में विलेन का रोल निभाते दिखे। फिल्म को गोपीचंद मालिनेनी ने निर्देशित किया है। इसमें सैयामी खेर, रेजिना कैसांद्रा, जगपति बाबू, राम्या कृष्णन, विनीत कुमार सिंह, प्रशांत बजाज, जरीना वहाब, पी. रविशंकर और बबलू पृथ्वीराज थे। हुड्डा जल्द ही हॉलीवुड फिल्म मैचबॉक्स में नजर आने वाले हैं, जिसका निर्देशन सैम हार्ग्रेव कर रहे हैं। फिल्म में जॉन सीना, जेसिका बील, सैम रिचर्डसन, आर्टुरो कास्त्रो, टेयोना पैरिस, दानई गुरिरा और कोरी स्टोल सरीखे कलाकार हैं। मैचबॉक्स 2026 में रिलीज होगी। हिंदी सिनेमा की बात करें तो उनके पास युद्ध ड्रामा ऑपरेशन खुकरी है। इसे एक रियल वॉर ड्रामा पर आधारित बताया जा रहा है। फिल्म 2000 में पश्चिमी अफ्रीका के एक देश में हुए वास्तविक सैन्य अभियान पर आधारित है, जहां भारतीय सेना के 233 जवानों को विद्रोही बलों ने बंधक बना लिया था। यह मिशन भारतीय सेना द्वारा अब तक किए गए सबसे खतरनाक और साहसिक अभियानों में से एक माना जाता है। फिल्म में रणदीप हुड्डा मेजर जनरल राज पाल पुनिया की भूमिका निभाएंगे, जो उस वक्त 14वीं मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री के कंपनी कमांडर थे और इस मिशन की अगुवाई कर रहे थे।

अमिताभ बोले - हां, मैं

अभिषेक की प्रशंसा करता हूं

यूजर ने पूछा- जया और ऐश्वर्या की तारीफ क्यों नहीं करते हैं?

बॉलीवुड एक्टर अमिताभ बच्चन आमतौर पर सोशल मीडिया पर ट्रोल्स को जवाब नहीं देते हैं, लेकिन हाल ही में उन्होंने कुछ ट्रोल्स को सीधे जवाब दिया है। दरअसल, हाल ही में अमिताभ ने एक फेसबुक पोस्ट पर अपने बेटे अभिषेक को लेकर लिखा था- जी हां मैं प्रशंसा करता हूं अभिषेक की तो! इसके बाद एक यूजर ने उनसे पूछा कि वह अपनी बहू ऐश्वर्या और पत्नी जया बच्चन की तारीफ क्यों नहीं करते? इस पर अमिताभ ने जवाब दिया, मैं उन्हें दिल से सराहता हूं. लेकिन सार्वजनिक रूप से नहींज महिलाओं के लिए सम्मान है। मंगलवार को भी अमिताभ ने एक पोस्ट री पोस्ट की, जिसमें अभिषेक की तारीफ की गई थी। पोस्ट में लिखा था, भैय्यू जी (अभिषेक) एक मेहनती कलाकार हैं। वे हमेशा अपनी कला को बेहतर बनाने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। उन्होंने अपने जीवन में कई ऐसे किरदार निभाए हैं, जिनकी पूरी दुनिया ने तारीफ करती है। कालीधर लापता के लिए अग्रिम बधाई।

हेरा फेरी 3 परेश रावल के बिना अधूरी: सोनाक्षी सिन्हा

एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ने मोस्ट-अवेटेड फिल्म हेरा फेरी 3 को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। सोनाक्षी का मानना है कि अपकमिंग फिल्म में अभिनेता परेश रावल के बिना मजा नहीं है। वह बाबूराव गणपतराव आप्टे के बिना फिल्म की कल्पना भी नहीं कर सकती हैं। परेश रावल ने हेरा फेरी फ्रेंचाइज में बाबूराव गणपतराव आप्टे का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीता था। सोनाक्षी का कहना है कि कॉमेडी फिल्म परेश रावल के बिना अधूरी है। बातचीत में सोनाक्षी ने एक दर्शक के तौर पर कहा, मैं हेरा फेरी 3 की परेश रावल के बिना कल्पना भी नहीं कर सकती। उनकी मौजूदगी इस फिल्म की जान है।

हाल ही में परेश रावल ने सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि वह हेरा फेरी 3 का हिस्सा नहीं होंगे। उन्होंने पोस्ट में स्पष्ट करते हुए बताया कि हेरा फेरी 3 से उनके हटने का फैसला रचनात्मक मतभेदों के कारण नहीं था। निर्देशक प्रियदर्शन के साथ भी उनका कोई मनमुटाव नहीं है। उनकी इस घोषणा ने फैंस को निराश किया, क्योंकि बाबूराव का किरदार इस फिल्म की पहचान है। सोनाक्षी ने अपनी नई फिल्म निकिता रॉय में परेश रावल के साथ पहली बार काम करने के अनुभव को भी साझा किया। उन्होंने बताया, परेश रावल जैसे शानदार एक्टर के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। उनके काम और अभिनय की गहराई ने मुझे बहुत प्रभावित किया। जब उनसे पूछा गया कि वह परेश रावल को कॉमेडी किरदारों में ज्यादा पसंद करती हैं या गंभीर किरदारों में, तो सोनाक्षी ने कहा, वह हर किरदार में कमाल करते हैं, चाहे वह कॉमेडी हो या गंभीर रोल। उनके लिए कोई एक चुनना मुश्किल है। सोनाक्षी की नई फिल्म निकिता रॉय में वह परेश रावल, अर्जुन रामपाल और सुहैल नायर के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म के साथ उनके भाई कुश सिन्हा बतौर निर्देशक शुरुआत करने जा रहे हैं।

फीफा क्लब विश्व कप: बायर्न म्यूनिख ने फ्लेमेंगो को 4-2 से हराया, अंतिम आठ में बनाई जगह

मियामी, 30 जून (हि.स.)। हैरी केन के दो शानदार गोलों की बदौलत बायर्न म्यूनिख ने फीफा क्लब वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। रविवार को मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में बायर्न ने ब्राजील के फ्लेमेंगो को 4-2 से हराया। जर्मन क्लब के लिए लियोन गोरेट्जका ने भी एक गोल किया, जबकि एरिक पुलगार का आत्मघाती गोल टीम के लिए बोनस साबित हुआ। फ्लेमेंगो के लिए गेरसन और जोर्जिन्हो ने गोल किए, लेकिन उनकी कोशिशें टीम को हार से नहीं बचा सकीं। इस जीत के साथ बायर्न अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए शनिवार को अटलांटा में पेरिस सेंट-जर्मेन (ढरत्र) से भिड़ेगा। ढरत्र ने दिन के पहले मुकाबले में इंटर मियामी को 4-0 से हराया था। शुरूआती झटकों से उबरने की कोशिश में फ्लेमेंगो असफल मैच की शुरूआत में ही बायर्न ने जोरदार आक्रमण किया और छठे

मिनट में जोशुआ किमिच के कॉर्नर पर क्लियर करने की कोशिश में एरिक पुलगार ने आत्मघाती गोल कर दिया। इसके कुछ ही मिनट बाद फ्लेमेंगो की रक्षापंक्ति की गलती का फायदा उठाते हुए केन ने लंबी दूरी से पोस्ट से टकराता हुआ शानदार गोल दागा।

हालांकि, फ्लेमेंगो ने हार नहीं मानी और कई मौकों पर बायर्न के डिफेंस को चुनौती दी। आखिरकार 31वें मिनट में गेरसन ने 15 गज की दूरी से जोरदार शॉट लगाकर स्कोर 2-1 कर दिया। लेकिन बायर्न ने तुरंत जवाब दिया। गोरेट्जका ने विरोधी टीम की एक क्लियरेंस को छाती से रोककर 25 गज की दूरी से शानदार गोल कर बायर्न की बढ़त 3-1 कर दी। हाफ टाइम से पहले पुलगार का हैरी केन पर खतरनाक टैकल लगभग झगड़े में बदल गया, हालांकि उन्हें सिर्फ पीला कार्ड दिखाया गया।

दूसरे हाफ में जोर्जिन्हो ने लौटाई उम्मीद, फिर भी हार

दूसरे हाफ में फ्लेमेंगो ने जोरदार वापसी की और मिडफील्ड में नियंत्रण हासिल किया। 55वें मिनट में माइकल ओलिस के हैंडबॉल पर फ्लेमेंगो को पेनल्टी मिली, जिसे जोर्जिन्हो ने गोल में बदला और स्कोर 3-2 कर दिया। लेकिन बायर्न ने एक बार फिर बढ़त कायम कर ली। केन ने फ्लेमेंगो की मिडफील्ड में की गई गलती का फायदा उठाकर किमिच के पास पर चौथा गोल दाग दिया और स्कोर 4-2 कर दिया।

अंत में बायर्न की अनुभव और मौके भुनाने की क्षमता फ्लेमेंगो पर भारी पड़ी, और जर्मन क्लब ने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

यूएस ओपन 2025: आयुष शेट्टी ने जीता पहला खिताब, तन्वी शर्मा उपविजेता रहीं

काउंसिल ब्लफ्स (आयोवा) : भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी ने रविवार को यूएस ओपन बैडमिंटन टूनार्मेंट में धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीत लिया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने कनाडा के ब्रायन यांग को सीधे गेमों में 21-18, 21-13 से हराया। 20 वर्षीय आयुष, जो वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 34वें स्थान पर हैं, इस सीजन में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने। इसके साथ ही उन्होंने विदेश में भारत को पुरुष एकल खिताब दिलाने का 2 साल का इंतजार भी खत्म किया। पिछली बार 2023 में लक्ष्य सेन ने कनाडा ओपन जीता था।

खिताबी जीत तक का सफर

आयुष का यूएस ओपन में सफर शानदार रहा। उन्होंने पहले दौर में डेनमार्क के मैग्नस योहानसेन को 21-17, 21-19 से हराया। दूसरे राउंड में उन्होंने अपने हमवतन थरुण मन्नेपल्ली को 21-12, 13-21, 21-15 से हराया। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने वर्ल्ड नंबर 70 कुओ कुआन लिन को 22-20, 21-9 से मात दी।

सेमीफाइनल में आयुष ने सबसे बड़ी चुनौती का सामना किया जब उनका मुकाबला वर्ल्ड नंबर 6 और टॉप सीड चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन से हुआ। पिछली हार का बदला लेते हुए आयुष ने जोरदार वापसी करते हुए 21-23, 21-15, 21-14 से मुकाबला अपने नाम किया।

तन्वी शर्मा ने रचा इतिहास, बनीं सबसे युवा फाइनलिस्ट वहीं महिला एकल में भारत की 16 वर्षीय तन्वी शर्मा ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई, हालांकि वह खिताब जीतने से चूक गईं। फाइनल में उनका सामना अमेरिका की शीर्ष वरीय और विश्व नंबर 21 बेइवेन झांग से हुआ, जहां उन्हें 21-11, 16-21, 21-10 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि तन्वी ने इतिहास रच दिया क्योंकि वह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के किसी भी फाइनल में पहुंचने वाली सबसे युवा भारतीय बन गई हैं। विश्व रैंकिंग में 66वें स्थान पर काबिज तन्वी ने पहले दौर में दूसरी वरीय वियतनामी खिलाड़ी गुयेन थुई लिन्ह को 21-19, 21-9 से हराकर तहलका मचा दिया। इसके बाद उन्होंने थाईलैंड की पूर्व जूनियर वर्ल्ड चैंपियन पिचामोन ओपटनिपुथ को 21-18, 21-16 से हराया।

इटैलियन ग्लोबल सीरीज फेस्टिवल में सम्मानित हुई जैकलीन

जैकलीन फर्नांडीज ने सोशल मीडिया पर अपना लेटेस्ट लुक शेयर किया। साथ ही उन्होंने बताया कि उन्हें हाल ही में रिमिनी में प्रतिष्ठित इटैलियन ग्लोबल सीरीज फेस्टिवल 2025 में सम्मानित किया गया। बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज को सिनेमा की दुनिया में उनके योगदान के लिए इटैलियन ग्लोबल सीरीज फेस्टिवल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इसकी झलक जैकलीन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है।

जैकलीन का पोस्ट

वैश्विक मंच पर टेलीविजन और फिल्म में उत्कृष्टता का जश्न मनाने वाले इस कार्यक्रम में जैकलीन को पुरस्कार विजेताओं के एक प्रतिष्ठित समूह में शामिल किया गया। अपना आभार व्यक्त करते हुए, जैकलीन ने साझा किया कि उनके लिए सिनेमा, कहानी कहने से कहीं बढ़कर है। उन्होंने इसे एक शक्तिशाली माध्यम बताया जो समय, भाषा और महाद्वीपों के पार लोगों को जोड़ता है।

जैकलीन के लिए क्या है सिनेमा

जैकलीन ने आगे लिखा, मेरे लिए सिनेमा एक कला के रूप में सिर्फ कहानी सुनाना नहीं है, बल्कि समय, भाषा और महाद्वीपों के पार लोगों को जोड़ने का एक तरीका है। दुनिया के साथ इसे साझा करने में मदद करने के लिए स्वीकार किया जाना शब्दों से ज्यादा मायने रखता है!

अवॉर्ड मिलना सम्मान की बात है

जैकलीन ने आगे लिखा, आगे जैकलीन ने लिखा, रिमिनी में आपके प्रतिष्ठित कार्यक्रम में सभी असाधारण पुरस्कार विजेताओं की उपस्थिति में सम्मानित होना सम्मान की बात थी। दुनिया भर में सिनेमा का जश्न मनाने के लिए हमारे पास और भी कई पल हैं।

डाक सेवा सुविधा या व्यवस्था ही नहीं, बल्कि समाज का ऐसा अभिन्न हिस्सा है: मुख्यमंत्री डॉ यादव

एजेंसी

भोपाल : 1 जुलाई को राष्ट्रीय डाक कर्मचारी दिवस है। यह दिन याद दिलाता है कि डाक विभाग से जुड़े लोगों का हमारे जीवन में कितना बड़ा योगदान है। परिस्थिति कैसी भी हो जरूरी पत्र और पार्सल पहुंचाते हैं। यानी हमारी सहायता के लिए हर परिस्थिति में तैयार रहते हैं। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भी इस खास अवसर पर डाक सेवा से जुड़े कर्मचारियों के महत्व को बताते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री डॉ

यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने शुभकामना संदेश में लिखा राष्ट्रीय डाक कर्मचारी दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। डाक सेवा सुविधा या व्यवस्था ही नहीं, बल्कि समाज का ऐसा अभिन्न हिस्सा है, जो हम सभी को परस्पर जोड़ता है। विपरित परिस्थितियों, प्रतिकूल मौसम और अन्य चुनौतियों का सामना करते हुए भी डाक कर्मचारी हमारे पत्र, पार्सल, आवश्यक दस्तावेज आदि पहुंचाते हैं। ऐसे डाक कर्मचारियों को उनके समर्पण के लिए नमन करता हूं।

खरगोन: आईटीआई में आज युवा संगम, युवाओं को मिलेगा रोजगार और स्वरोजगार के अवसर

खरगोन : जिला रोजगार कार्यालय खरगोन द्वारा जिले के युवाओं के लिए आज (एक जुलाई को) प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक शासकीय आईटीआई उमरखली रोड़ खरगोन में रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले में विभिन्न प्रतिष्ठित निजी कंपनियां अपनी रिक्तियों के लिए भर्ती करेंगी, जिसमें तकनीकी योग्यताधारी युवाओं के लिए भी अवसर होंगे। साथ ही रोजगार के साथ-साथ स्वरोजगार हेतु ऋण प्रदाता शासकीय विभागों द्वारा भी जानकारी दी जाएगी। जिला रोजगार अधिकारी प्रीतिबाला सस्ते ने बताया कि मेले में 8वीं से स्नातकोत्तर व आईटीआई उत्तीर्ण 18 से 45 वर्ष आयु के युवक-युवतियां भाग ले सकते हैं। आवेदकों को अपनी शैक्षणिक

अंकसूचियां, रोजगार कार्यालय का पंजीयन, समग्र आईडी (अनिवार्य), जाति एवं मूल निवासी प्रमाण पत्र की छायाप्रतियां और दो पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाना अनिवार्य है। अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 07282-232787 पर संपर्क किया जा सकता है।

मप्र: लोक निर्माण विभाग का वृहद वृक्षारोपण अभियान आज, एक दिन में लगाए जाएंगे एक लाख पौधे

एजेंसी

भोपाल : हरित मध्य प्रदेश की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में लोक निर्माण विभाग द्वारा मंत्री राकेश सिंह के नेतृत्व में एक ऐतिहासिक पहल के तहत आज (एक जुलाई को) पूरे प्रदेश में एक साथ एक लाख पौधों का रोपण किया जाएगा। अभियान का शुभारंभ भोपाल के लिंक रोड क्रमांक-एक स्थित चिनार उद्यान में सुबह 10 बजे लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह द्वारा पौधारोपण कर होगी। मंत्री राकेश सिंह ने बताया कि ह्नहरित मध्य प्रदेश₹ की कल्पना को साकार करने के लिए लोक निर्माण विभाग पूरी तरह प्रतिबद्ध है। एक दिन में एक लाख पौधे लगाकर हम पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करने जा रहे हैं। यह सिर्फ पौधरोपण नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य देने का संकल्प है।ह्व इस प्रदेशव्यापी अभियान के अंतर्गत सभी जिलों में विभागीय विश्रामगृहों, कार्यालय परिसरों, सड़क

किनारे की भूमि और अन्य चिन्हित स्थलों पर पौधरोपण किया जाएगा। अभियान में विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, अभियंता, कर्मचारी तथा आम नागरिक सक्रिय रूप से भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि जिलों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जोड़ा जाएगा, जिससे पूरे प्रदेश में एक साथ समन्वित रूप से यह अभियान संचालित हो सके। अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए पूर्व तैयारी के अंतर्गत सभी जिलों में उपयुक्त भूमि की पहचान, गड्ढों की खुदाई, पानी की व्यवस्था और पौधों की सुरक्षा से संबंधित सभी काम पहले ही पूरे कर लिए गए हैं। नर्सरियों से प्राप्त नीम, पीपल, अर्जुन, आम, अमरूद, कचनार, गुलमोहर जैसे छायादार और फलदार पौधों को प्राथमिकता दी गई है। इन पौधों का चयन स्थानीय जलवायु के अनुसार किया गया है। विभाग द्वारा केवल पौधे लगाने तक ही सीमित नहीं रहते हुएपौधों के संरक्षण और नियमित देखरेख की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। प्रत्येक स्थान पर जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों को पौधों की सिंचाई, सुरक्षा और निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विभागीय पोर्टल और मोबाइल ऐप के माध्यम से निगरानी प्रणाली भी तैयार की गई है।

महाकुम्भ क्षेत्र में कचरा हटाने की जनहित याचिका निस्तारित

एजेंसी

प्रयागराज : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महाकुम्भ 2025 के मेला क्षेत्र में प्रशासन द्वारा छोड़ा गया कचरा हटाने की मांग में दाखिल जनहित याचिका पर हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने याचिका निस्तारित करते हुए याचियों को एनजीटी में याचिका दाखिल करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति जयंत बनर्जी एवं न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह की खंडपीठ ने दिया है। कोर्ट ने कहा कि न्यायाधिकरण के पास एनजीटी अधिनियम की धारा 14 के तहत व्यापक अधिकार क्षेत्र है और वह याचियों के मामले को अधिक तेजी व प्रभावी ढंग से निपटा सकता है। ह्यूमन राइट्स लीगल नेटवर्क के साथ विधि प्रशिक्षण ले रही अंशिका पांडेय व लॉ स्टूडेंट्स की जनहित याचिका में महाकुम्भ के 45 किमी क्षेत्र में गंगा यमुना के किनारे मेला प्रशासन द्वारा छोड़े गए मलबे से फैली गंदगी व बरसात में गंगा के प्रदूषित होने का खतरा बताया गया था। कहा गया था कि गत 26

फरवरी को महाकुम्भ के समापन पर मेला प्रशासन को तमाम दी गईं सुविधाएं हटाना था। लेकिन उसका एक बड़ा हिस्सा मेला क्षेत्र में ही छोड़ दिया गया है। इसमें काफी मात्रा में कचरा, मलबा, निर्माण सामग्री, लैट्रिन कमोड और ऐसी ही काफी वस्तुएं शामिल हैं। कहा गया था कि बारिश शुरू होने पर यह गंगा जल को दूषित और जहरीला बना देंगी। इस कचरे के कारण एक बड़े इलाके में कछार भूमि पर खीरा ककड़ी करेले आदि की सब्जियों की खेती रुक गई। झूंसी में नदी किनारे के मोहल्ले प्रदूषण, दुर्गंध से प्रभावित हैं। साथ ही इस कचरे से गंगा नदी के जल जीवों, वनस्पतियों को गंभीर खतरा है और समूचा पर्यावरण गंभीर संकट का सामना करने जा रहा है।जनहित याचिका में प्रशासन को क्षेत्र में छोड़ी गई गंदगी बरसात के पहले हटा लेने का समादेश जारी करने की मांग की गई थी ताकि गंगा-यमुना के आसपास का सारा मलबा हटाया जा सके। हाईकोर्ट ने मामले में सीधे हस्तक्षेप करने से मना कर दिया और याचियों से उनकी शिकायत निवारण के लिए एनजीटी में सम्पर्क करने को कहा। कोर्ट का मानना है कि पर्यावरणीय मामलों से निपटने के लिए एनजीटी विशेष निकाय है और वह इस मुद्दे पर उचित कार्रवाई करने में सक्षम है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर दी शुभकामनाएं

एजेंसी

रायपुर : स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज सोमवार को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर राज्य के सभी चिकित्सकों को अपनी शुभकामनाएं दी हैं। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि देश के प्रसिद्ध चिकित्सक और राजनेता डॉ विधान चंद्र रॉय के नाम पर हम राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाते हैं। छत्तीसगढ़ के चिकित्सक सुदूर इलाकों में, जंगलों में, नक्सली क्षेत्रों में बहुत ही मुश्किल रास्तों को पार करके, कठिन परिस्थिति में कड़ी मेहनत करके लोगों की सेवा कर रहे हैं। कोरोना महामारी के समय चिकित्सकों ने जो काम किया उसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। मै उनके जज्बे, हौसले को सलाम करता हूं। साथ ही ये उम्मीद करता हूं कि वो ऐसे हे जनता की सेवा करते रहेंगे।

राजस्थान बोर्ड की पूरक परीक्षा के लिए तिथियां घोषित, छह अगस्त से शुरू होंगी परीक्षाएं

एजेंसी

अजमेर : राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से वर्ष 2025 की पूरक परीक्षाओं को लेकर विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। इस बार पूरक प्रायोगिक परीक्षाएं 31 जुलाई से और सैद्धांतिक परीक्षाएं छह अगस्त से शुरू होंगी। इसके लिए ऑनलाइन परीक्षा शुल्क जमा कराने की प्रक्रिया एक जुलाई से प्रारंभ हो गई है। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सचिव कैलाश चंद शर्मा ने बताया कि विद्यालयों द्वारा सामान्य परीक्षा शुल्क के चालान भरने की तिथि एक से 10 जुलाई तक तय की गई है, जबकि शुल्क बैंक में जमा कराने की अंतिम तिथि 12 जुलाई निर्धारित है। यदि कोई विद्यालय

निर्धारित तिथि में शुल्क जमा नहीं कर पाता है, तो वह एक अतिरिक्त शुल्क के साथ 11 से 15 जुलाई तक चालान भर सकता है। ऐसे में शुल्क जमा कराने की अंतिम तिथि 17 जुलाई रहेगी। विद्यालयों को बैंक की रसीद और परीक्षार्थियों की सूची 20 जुलाई तक बोर्ड कार्यालय को भेजनी अनिवार्य होगी। इस बार बोर्ड ने असाधारण श्रेणी के परीक्षार्थियों के लिए भी शुल्क निर्धारित किया है। नियमित श्रेणी में आने वाले छात्रों को ?1500 (असाधारण शुल्क) और ?600 (सामान्य शुल्क) यानी कुल ?2100 जमा कराने होंगे। वहीं स्वयंपाठी परीक्षार्थियों के लिए 1500 + ?650 = 2150 निर्धारित किए गए हैं। यह शुल्क केवल संबंधित पूरक परीक्षा केंद्र पर बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से परीक्षा प्रारंभ होने तक जमा कराया जा सकेगा। बोर्ड ने शहीद सैनिकों के आश्रितों, युद्ध में दिव्यांग हुए सैनिकों के बच्चों, पुलवामा हमले में शहीद जवानों के परिजनों, और विशेष योग्यजन (दिव्यांग) परीक्षार्थियों को परीक्षा शुल्क से मुक्त रखने का निर्णय किया है। हालांकि, इन्हें प्रतीकात्मक रूप से ?50 का टोकन शुल्क जमा कराना होगा। बोर्ड ने यह भी साफ किया है कि परीक्षार्थियों और विद्यालयों को पूरक परीक्षा के लिए शुल्क जमा कराने के लिए मूल अंकतालिकाओं का इंतजार नहीं करना चाहिए। समय रहते आवेदन की प्रक्रिया पूरी करें, ताकि परीक्षा में भाग लेने में कोई बाधा न हो। परीक्षा से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए बोर्ड कार्यालय में स्थापित कंट्रोल रूम से संपर्क किया जा सकता है।

अपने भी हुए ट्रंप के घरेलू नीति विधेयक के खिलाफ

एजेंसी

वाशिंगटन : संयुक्त राज्य अमेरिका की सीनेट में घरेलू नीति विधेयक (बिग ब्यूटीफुल बिल) पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई है। उनकी रिपब्लिकन पार्टी के कई सीनेटर इस बिल के खिलाफ उठ खड़े हुए हैं। इस बीच व्हाइट हाउस ने राष्ट्रपति के इस विधेयक को पारित करने के लिए सीनेटरों पर दबाव डाला है। ट्रंप ने फेडरल रिजर्व पर एक हस्तलिखित नोट जारी किया है। इसमें फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल पर देश का बहुत सारा पैसा खर्च करने का आरोप लगाया गया है। ट्रंप ने मांग की कि वे ब्याज दरों में बहुत अधिक कटौती करें। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, उत्तरी कैरोलिना के रिपब्लिकन सीनेटर थॉम टिलिस ने राष्ट्रपति ट्रंप के हस्ताक्षरित घरेलू नीति विधेयक का समर्थन करने से इनकार कर दिया है। इसे पार्टी के लिए खतरे

की घंटी के रूप में लेना चाहिए। वह 2011 से रिपब्लिकन पार्टी में सक्रिय हैं। पार्टी के अंदर उनका बहुत अधिक सम्मान है। उन्होंने इसी वर्ष उत्तरी कैरोलिना में स्टेट हाउस का स्पीकर बनने के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। रविवार को सीनेट में टिलिस ने कहा, ₹रिपब्लिकन स्वास्थ्य सेवा के मामले में गलती करने वाले हैं और वादा तोड़ रहे हैं।₹ उन्होंने व्हाइट हाउस में ₹शौकिया लोगों₹ को ट्रंप को एक ऐसे बिल का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करने का दोषी ठहराया, जिससे अकेले उत्तरी कैरोलिना में लगभग 663,000 लोग मेडिकेड से बाहर हो जाएंगे। टिलिस ने कहा कि राष्ट्रपति मतदाताओं की स्वास्थ्य सेवा के साथ खिलवाड़ न करें। टिलिस ने फैसला किया कि उनके पास केवल एक ही विकल्प है। वह है वाशिंगटन से स्व-निर्वासन (सेवानिवृत्ति)। इससे पहले ट्रंप के मुखर आलोचक, नेब्रास्का के प्रतिनिधि रिपब्लिकन डॉन बेकन ने भी कहा कि मतदान करने से अच्छा है कि आधिकारिक तौर पर सेवानिवृत्त हो जाएं। बेकन ओमाहा क्षेत्र की पांचवीं बार जीते हैं। उन्होंने इससे पहले कहा था, ₹मैं अपनी पार्टी की आत्मा के लिए लड़ना चाहता हूं। मैं ऐसा व्यक्ति नहीं बनना चाहता जो बांसुरी बजाने वाले का पीछा करते हुए चट्टान से गिर जाए। मुझे लगता है कि अभी यही हो रहा है। सदन में उदारवादी रिपब्लिकन अलास्का की सीनेटर लिसा मुर्कोव्स्की इस बिल से काफी उलझन में हैं। वह सेवानिवृत्ति का इरादा तो नहीं रखतीं पर उनके पार्टी बदलने की अटकलें तेज हैं। ऐसे रिपब्लिकन जो विद्रोह कर सकते हैं, उनमें प्रमुख हैं-फ्लोरिडा के रिक स्कॉट, विस्कॉन्सिन के रॉन जॉनसन, यूटा के माइक ली और व्योमिंग की सिंथिया लुमिस। मेन की सुसान कोलिन्स ने संशोधन तक पेश करने की योजना बनाई है।

ट्रंप की धमकी काम आई, कनाडा ने डिजिटल सेवा कर रद्द किया

ओटोवा : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कनाडा को दी गई धमकी आखिरकार काम आ गई। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने रविवार रात डिजिटल सेवा कर को रद्द कर दिया। डिजिटल सेवा कर की वजह से अमेजन, गूगल, मेटा, उबर और एयरबीएनबी जैसी कंपनियों पर कनाडाई उपयोगकताओं से होने वाले राजस्व पर तीन फीसदी का कर लगना था। इससे अमेरिकी कंपनियों को महीने के आखिर में दो बिलियन अमरीकी डॉलर का भुगतान करना पड़ता। सीएनबीसी चैनल की खबर में यह जानकारी दी गई। इसमें कहा गया है कि यह ट्रंप के अमेरिकी व्यापार वार्ता को रद्द करने की घोषणा का असर है। कार्नी ने डिजिटल सेवा कर को भुगतान से एक दिन पहले रद्द किया है। उन्हें उम्मीद है कि अमेरिका के साथ अमेरिकी व्यापार वार्ता (पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापक व्यापार व्यवस्था) शुरू होगी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने बयान में कहा, "आज की घोषणा इस महीने के कनानास्किस में जी-7 नेताओं के शिखर सम्मेलन में निर्धारित 21 जुलाई, 2025 की समयसीमा के लिए वार्ता को फिर से शुरू करने का समर्थन करेगी।" कनाडा के वित्तमंत्री फ्रेंकोइस-फिलिप शैम्पेन ने बयान में कहा, "डिजिटल सेवा कर को समाप्त करने से अमेरिका के साथ एक नए आर्थिक और सुरक्षा संबंधों की बातचीत में महत्वपूर्ण प्रगति होगी।" सीएनबीसी के अनुसार, ओटावा का यह निर्णय इस महीने की शुरूआत में कनाडाई अधिकारियों के लिए गए निर्णय से उलट है। उन्होंने कहा था कि वे अमेरिका के कड़े विरोध के बावजूद डिजिटल सेवा कर को रोकेंगे नहीं। डिजिटल सेवा कर को पहली बार 2020 में कराधान अंतर को दूर करने के लिए पेश किया गया था। महत्वपूर्ण यह है कि कनाडा और अमेरिका के रिश्ते ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरूआत से ही अच्छे नहीं रहे। ट्रंप ने देश के कनाडा पर अनेक बार कटाक्ष किया। यह तक कहा कि कनाडा को अमेरिकी राज्य के रूप में शामिल किया जाए। इसके बाद कनाडा को भारी अमेरिकी टैरिफ की मार झेलनी पड़ी। ट्रंप ने स्टील और एल्युमीनियम पर 50 प्रतिशत और ऑटो पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाया। हालांकि, इस टैरिफ पर नौ जुलाई तक रोक है। फिर भी कनाडा और मैक्सिको को 25 प्रतिशत तक के अलग-अलग टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

अलवर में बारिश से गर्मी से राहत, कई इलाकों में जलभराव

अलवर : अलवर शहरवासियों को मंगलवार सुबह से हो रही लगातार बारिश ने भीषण गर्मी और उमस से राहत दिलाई है। तेज बारिश के चलते तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे मौसम सुहावना हो गया है। बारिश की पहली फुहार के साथ ही लोगों ने राहत की सांस ली है। मौसम विभाग ने आने वाले 24 घंटों में और बारिश की संभावना जताई है।

बारिश से जहां एक ओर मौसम खुशनुमा हुआ, वहीं शहर के निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है। कई प्रमुख सड़कों पर पानी भर गया है, जिससे आवागमन में दिक्कतें सामने आई हैं। अम्बेडकर सर्किल, बिजलीघर चौराहा, स्कीम नंबर 1 और 2, घंटाघर, बस स्टैंड रोड, एसएमडी सर्किल, और चूड़ी मार्केट जैसे इलाकों में सड़कों पर पानी भरने की सूचना है। कई जगहों पर वाहन धीमी गति से चलते दिखे, जबकि कुछ स्थानों पर ट्रैफिक जाम की स्थिति भी बनी। बारिश के कारण आज से शुरू हो रहे स्कूलों में उपस्थिति पर असर पड़ा। लगातार बारिश के चलते अधिकतर बच्चे और शिक्षक स्कूल नहीं पहुंच सके। बारिश की इस शुरूआत से किसानों में भी खुशी की लहर है। यह बरसात खरीफ की फसलों की बुआई के लिए अनुकूल मानी जा रही है।

मप्र में भाजपा प्रदेश चुनाव के जुनाव के लिए आज दाखिल होंगे नामांकन

भोपाल,: मध्य प्रदेश में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसी क्रम में आज (मंगलवार) को अध्यक्ष पद के नामांकन भरे जाएंगे, जबकि बुधवार, दो जुलाई को वोटिंग के बाद नए प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा कर दी जाएगी। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत 379 सदस्य वोटिंग करेंगे। संभावना है कि बुधवार शाम तक भाजपा को नया प्रदेश अध्यक्ष मिल जाएगा। भाजपा की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, आज एक जुलाई को शाम साढ़े 4 बजे से साढ़े 6 बजे तक नामांकन पत्र जमा किए जाएंगे। शाम साढ़े 6 बजे से साढ़े 7 बजे तक नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। साढ़े 7 से 8 बजे तक नामांकन वापस ले सकेंगे। रात साढ़े 8 बजे नामांकन पत्रों की अंतिम सूची जारी की जाएगी। अगर जरुरी हुआ तो 2 जुलाई को सुबह 11 से 2 बजे तक मतदान किए जाएंगे। दोपहर 2 बजे मतों की गिनती होगी और चंद समय बाद ही परिणाम की घोषणा कर दी जाएगी।

मप्र: पंचों के रिक्त पदों के निर्वाचन की अधिसूचना आज होगी जारी

भोपाल : मध्य प्रदेश की विभिन्न ग्राम पंचायतों में पंचों के रिक्त पदों के लिए निर्वाचन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। निर्वाचन की अधिसूचना आज (एक जुलाई को) सुबह 11 बजे जारी की जाएगी। इसी के साथ नामांकन पत्र दाखिल करने का कार्य शुरू होगा। नामांकन पत्र संबंधित जनपद पंचायत कार्यालय में दाखिल किए जाएंगे। इसके लिए जिला निर्वाचन अधिकारी ने रिटर्निंग आफीसर तथा सहायक रिटर्निंग आफीसर तैनात किए हैं। इस संबंध में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रेयस गोखले ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पंच पदों के निर्वाचन के लिए एक जुलाई से नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। नामांकन पत्र 8 जुलाई को दोपहर बाद 3 बजे तक दाखिल किए जा सकते हैं। नामांकन पत्रों की जाँच 9 जुलाई को की जाएगी। उम्मीदवार 11 जुलाई को दोपहर 3 बजे तक नामांकन वापस ले सकते हैं। नाम वापसी की समय-सीमा समाप्त होने के बाद 11 जुलाई को ही उम्मीदवारों की सूची तैयार कर उन्हें चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। आवश्यक होने पर 22 जुलाई को सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक निर्धारित मतदान केन्द्रों में मतदान होगा। मतदान समाप्त होने के तत्काल बाद मतदान केन्द्र में ही मतगणना होगी। चुनाव परिणामों की घोषणा 29 जुलाई को जनपद पंचायत कार्याल में की जाएगी।

इंस्टाग्राम पर जाति विशेष को ले कर अभद्र टिप्पणी करने वाले गिरफ्तार

देवरिया : थाना तरकुलवा पुलिस द्वारा इंस्टाग्राम पर जाति विशेष को ले कर अभद्र टिप्पणी करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार किया । पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर ने बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म - (पूर्व में ट्वीटर) पर एक शिकायत प्राप्त हुई जिसमें जयप्रकाश कुमार नाम की इंस्टाग्राम आईडी से एक जाति विशेष को लेकर अभद्र टिप्पणी किया गया था । शिकायत का संज्ञान लेकर तत्काल पोस्टकर्ता का पता लगाते हुए अभियुक्त की पहचान जयप्रकाश प्रसाद पुत्र जवाहिर प्रसाद साकिन कुचिया थाना तरकुलवा जनपद देवरिया के रुप में करते हुए थाना तरकुलवा पुलिस द्वारा अभियुक्त को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही किया गया ।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग वाहनों की आवाजाही के लिए खुला

जम्मू : जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही रोजाना की तरहं मंगलवार को भी जारी है। आज छोटे वाहनों को राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों तरफ से जबकि बड़े वाहनों को केवल श्रीनगर से जम्मू की ओर रवाना किया जा रहा है। यातायात विभाग के अनुसार कट आफ समय के बाद किसी भी वाहन को आने-जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यातायात विभाग के अधिकारी ने बताया कि खराब मौसम के बावजूद जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही रोजाना की तरह जारी है। छोटे वाहनों को अपनी लेन में चलने की हिदायत दी गई है और किसी भी वाहन को तेज चलने या फिर ओवरटेक करने से बचने की सलाह दी गई है ताकि राजमार्ग पर जाम की स्थिति न उत्पन्न हो सके। यातायात विभाग की ओर से जारी एडवाईजरी के अनुसार सात बजे के बाद किसी भी हल्के वाहन को राष्ट्रीय राजमार्ग पर काजीगुंड से जम्मू की ओर और इसके विपरीत चलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। विभाग ने यात्रियों से अपील की है कि वह अपनी यात्रा शुरू करने से पहले यातायात कंट्रील रूम से संपर्क करें ताकि बाद में उन्हें किसी परेशानी का सामना ना करना पड़े।

छह माह बाद भी आख्या नहीं दे सकीं खण्ड शिक्षा अधिकारी

लखनऊ : गोरखपुर जनपद के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रमेन्द्र कुमार सिंह ने सहायक अध्यापक मनोज गुप्ता के मामले में 27 दिसम्बर 2024 को भटहट विकास क्षेत्र की खण्ड शिक्षा अधिकारी शाइस्ता परवीन से तीन दिनों के भीतर आख्या मांगी थी। छह माह बाद भी खण्ड शिक्षा अधिकारी शाइस्ता परवीन आख्या नहीं दे सकी है। सहायक अध्यापक मनोज कुमार गुप्ता ने बताया कि कोविड के वक्त वह बीमार हो गये थे, इसके बाद उन्होंने अपने प्रधानाचार्य से पुनः शिक्षण कार्य आरम्भ करने की अनुमति मांगी तो उन्होंने अधिकारियों की अनुमति लेकर आने को कह दिया। इसके बाद उन्होंने खण्ड शिक्षा अधिकारी से मुलाकात की और अपनी बात को रखा तो वह टाल गयी। उन्होंने बताया कि समुचे मामले में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रमेन्द्र कुमार सिंह ने उनकी सुनी और खण्ड शिक्षा अधिकारी से आख्या मांगी। इसके बाद भी खण्ड शिक्षा अधिकारी शाइस्ता परवीन ने दस्तावेज के चोरी हो जाने की बात कहकर आख्या देने से इंकार कर दिया।

न्यूज IN ब्रीफ

धनबाद में आयोजित कोच व रेफरी सेमिनार में जिला गतका संघ के खिलाड़ियों ने लिया भाग

चतराः गतका एसोसिएशन ऑफ झारखंड द्वारा धनबाद के राजकमल विद्या मंदिर के सभागार में 29 जून को आयोजित स्टेट कोच एवं रेफरी सेमिनार में झारखंड से लगभग
16 जिले के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि के रूप में गतका फेडरेशन ऑफ इंडिया के सचिव सरदार बलजिंदर सिंह तूर जी उपस्थित थे। बताते चलें कि गतका खेल खेलो इंडिया में भी अपनी भागीदारी निभाती है। इस आयोजन में चतरा जिला से 8 खिलाड़ियों ने भाग लिया। चतरा जिला गतका संघ के अध्यक्ष विकास कुमार केशरी, उपाध्यक्ष श्रीराम शास्त्री, सचिव सूरज कुमार के साथ खिलाड़ी उदय कुमार, पवन कुमार, महित मेहता, आर्यन कुमार, आदर्श कुमार आदि ने सेमिनार में रेफरी एवं कोच का सफल प्रशिक्षण लिया।इस सफल प्रशिक्षण के बाद सभी को प्रमाण पत्र देकर विदा किया गया। साथ ही इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस उपलब्धि पर चतरा जिला क्रीड़ा भारती अध्यक्ष संदीप गुप्ता, चतरा जिला ताइक्वांडो संघ के अध्यक्ष मो. जमालुद्दीन एवं सभी खेल प्रेमियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

इटखोरी पुलिस ने अफीम के फरार आरोपी के घर चिपकाया इश्तेहार

चतरा : इटखोरी थाना कांड संख्या 210/20 एनडीपीएस एक्ट के आरपी मो अली के जिला मुख्यालय स्थित घर पर सोमवार को इटखोरी पुलिस ने चतरा पुलिस के सहयोग से इश्तिहार चिपकाया। इस संबंध में इटखोरी थाना के एसआई दिलबाग सिंह ने बताया कि चतरा महुआ चौक के निवासी मोहम्मद अली के विरुद्ध इटखोरी थाने में अफीम तस्करी से संबंधित मुकदमा दर्ज है। वह 2020 से पुलिस की पकड़ से फरार चल रहा है। उसके घर पर पहुंच कर पुलिस ने आरोपी के आत्म समर्पण को लेकर इश्तिहार चिपकाया है। आरोपी के परिजनों को पुलिस ने सख्त हिदायत दिया है कि जल्द से जल्द उसे आत्म समर्पण करने बोलें,अन्यथा उसके विरुद्ध कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान में चतरा सदर थाना के एसआई राहुल कुमार सिंह समेत पुलिस बल के जवान शामिल थे।

संथाल हूल दिवस पर भाजपाइयों ने किया शहीदों को नमन

दुमका : हूल क्रांति के महान योद्धाओं की वीरगाथा और बलिदान को स्मरण करते हुए आज भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष रमेश मुर्मू के नेतृत्व में वीर शहीद सिदो कान्हू एवं वीरांगना फूलो झानो की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। भाजपा के संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह,भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय मुख्य रूप से कार्यक्रम में शामिल हुए ।

इस अवसर पर उपस्थित सभी नेताओं और कार्यकताओं ने संथाल हूल के अमर शहीदों के योगदान को याद करते हुए उनके दिखाए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया।

सभी वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि हूल आंदोलन ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी समाज की अमिट भूमिका को रेखांकित किया और आने वाली पीढ़ियों को भी संघर्ष एवं स्वाभिमान की प्रेरणा दी। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा ने संकल्प लिया कि शहीद सिदो-कान्हू और फूलो-झानो जैसे महापुरुषों के बलिदान को हमेशा जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करती रहेगी।

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष गौरवकांत,दुमका के पूर्व सांसद सुनील सोरेन, वरिष्ठ भाजपा नेत्री सीता सोरेन,रविकांत मिश्रा,डॉ. अंजुला मुर्मू, निवास मंडल,अमिता रक्षित,अमरेंद्र सिंह, डॉ. पवन केसरी,मार्शल ऋषिराज टुडू, गुंजन मरांडी,सोनी हेंब्रम,नवल किस्कू, मृणाल मिश्रा,रामवतार भलोटीया,रूपेश मंडल,बिमल मरांडी,श्रीधर दास,ममता साह, ओम केसरी, नीतू झा,टिंकू गण, मनीष कुमार,संतोष सोरेन,मनोज साह,किशोरेंद्र दास, अमन राज, प्रवीण सिंह, दिनेश सिंह, राजेश वर्मा, सौरभ सिन्हा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पुल की रेलिंग तोड़ बराकर नदी में गिरा मालवाहक, बाढ़ में फंसा रहा चालक

गिरिडीहः डुमरी-गिरिडीह पथ पर एक बड़ी घटना घटी है। यहां बराकर नदी के पुल का रेलिंग तोड़ते हुए एक मालवाहक 40 फीट नीचे जा गिरा। वाहन के गिरने के बाद चालक किसी तरह से मालवाहक के टायर के ऊपर आ गया और लगभग चार घंटे तक नदी की तेज धार में फंसा रहा। हालांकि सूचना पर पहुंची पुलिस की सजगता और स्थानीय किशोर और युवकों की दिलेरी के कारण चालक की जान बच गई। घटना मुफ्फसिल थाना इलाके के बराकर की है।

बारिश से खोया नियंत्रण, गाड़ी नदी में गिरी : घटना को लेकर कोडरमा के जयनगर थाना इलाके के काठाडीह बस्ती निवासी वाहन चालक अकील नवाज खाना ने बताया कि सोमवार रात को वह ट्रेलर पर पाइप लादकर जा रहा था। रात लगभग 1:15 से 1:30 बजे उनके वाहन का टायर फिसल गया और ट्रेलर रेलिंग तोड़कर नीचे नदी में जा गिरा। इस बीच वह किसी तरह ड्राइवर सीट से बाहर निकलकर टायर पर जा चढ़ा। फिर बचाने की गुहार लगाने लगा लेकिन अंधेरा होने के कारण कोई सामने नहीं आ रहा था।

टॉर्च ने बचायी जान

चालक ने बताया कि इस बीच नदी की दूसरी तरफ से किसी ने टॉर्च की लाइट दिखायी। चूंकि वाहन से बाहर निकलने के दरमियान उसने भी टॉर्च निकाल लिया था तो उसने भी टॉर्च मारा। इसके थोड़ी देर बाद पुल पर उसके साथी भी पहुंच गए और रस्सा फेंककर उसे सहारा दिया। फिर पुलिस पहुंची और स्थानीय युवकों के साथ मिलकर उसे बाहर निकाला।

सूचना पाकर एक्टिव हुई पुलिस : इधर बताया गया कि लगभग रात ढाई बजे के आसपास किसी ने 100 डायल पर घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही मुफ्फसिल थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर श्याम किशोर महतो, अवर निरीक्षक गौतम कुमार के साथ थाना की पूरी टीम मौके पर पहुंची और चालक को बाहर निकालने में जुट गए। चूंकि नदी में बाढ़ आयी है, ऐसे में एनडीआरएफ को सूचित करने का निर्णय लिया गया। इस बीच उजाला हुआ तो नदी में मछली मारने वाले मछुआरे सामने आए, जिन्होंने रात में 100 डायल में सूचना दी थी। इनलोगों ने बताया कि उनकी नजर ही इस घटना पर पहले पड़ी थी।

आपदा से प्रभावित लोगों को लेकर सरकार अलर्ट

मंत्री इरफान अंसारी ने सभी विधायकों और मंत्रियों को लिखा पत्र

संवाददाता

रांची : झारखंड में बीते कई दिनों से लगातार हो रही अतिवृष्टि (भारी से अत्यधिक भारी बारिश) से राज्य के कई जिलों में आम जन-जीवन प्रभावित हुआ है। ऐसे में राज्य के स्वास्थ्य, खाद्य आपूर्ति एवं आपदा प्रबंधन मंत्री इरफान अंसारी ने इस गंभीर स्थिति को देखते हुए राज्य के सभी विधायकों और मंत्रियों को एक पत्र लिखा है।

इस पत्र में आपदा प्रबंधन मंत्री ने सभी मंत्रियों और विधायकों से अपने-अपने क्षेत्र में तत्काल राहत कार्यों की निगरानी और सक्रिय भागीदारी की अपील की है। मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि अतिवृष्टि के कारण जनमानस और संपत्ति की जो क्षति हुई है, उसका त्वरित आकलन कर राज्य सरकार तक रिपोर्ट भेजना अति आवश्यक है ताकि प्रभावित परिवारों को शीघ्र मुआवजा उपलब्ध कराया जा सके।

उन्होंने सभी विधायकों से आग्रह किया है कि वे अपने-अपने जिला उपायुक्तों और प्रशासनिक पदाधिकारियों के साथ आपात बैठक आयोजित कर भारी बारिश से हुई क्षति का समुचित सर्वेक्षण कराए। साथ ही इसकी विस्तृत रिपोर्ट झारखंड सरकार के आपदा

प्रबंधन विभाग को तत्काल भेजें।

मंत्री इरफान अंसारी ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार प्रभावित लोगों को हरसंभव मदद पहुंचाने के लिए कृतसंकल्पित है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या विलंब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आपदा की इस घड़ी में जनप्रतिनिधियों की सक्रियता और संवेदनशीलता ही जनता के विश्वास को मजबूत करेगी। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से अपेक्षा की कि वे राहत और पुनर्वास कार्यों में पूरी तन्मयता से भाग लेंगे ताकि राज्य के प्रभावित नागरिकों को त्वरित सहायता दी जा सके।

मंत्री का भाजपा पर टिप्पणी

मंत्री इरफान अंसारी ने हूल दिवस को लेकर भाजपा और उसके नेताओं पर तीखा हमला बोला है। इरफान अंसारी ने कहा कि अंग्रेजों से भी ज्यादा खतरनाक है आज की भाजपा। जो हमारे संविधान, लोकतंत्र और आदिवासी अस्मिता को कुचलना चाहती है। सिदो-कान्हू ने 1855 में अंग्रेजों के खिलाफ हूल किया था। अब वक्त आ गया है कि जनता भाजपा के खिलाफ नया हूल आंदोलन शुरू करें। उन्होंने आगे कहा कि जो लोग सत्ता में बैठकर गरीब, आदिवासी, दलित और अल्पसंख्यकों का हक छीनते हैं, वे आजादी के दुश्मन हैं।

अच्छी खेती बाड़ी के लिए मेहनत के साथ ईश्वर से प्रार्थना करें : विधायक

संवाददाता

सिमडेगा : तुरबुंगा पल्ली अंतर्गत शाहपुर जताटाड मंडली में कैथोलिक कलीसिया के अनुसार पर्यावरण दिवस मनाया गया तथा पर्यावरण प्रकृति की रक्षा और अच्छी वर्षा तथा खेती-बाड़ी के लिए विशेष मिस्सा अनुष्ठान फादर फ्रांसिस के द्वारा किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कोलेबिरा विधायक नमन कोलेबिरा प्रखंड कांग्रेस कमेटी की टीम के साथ पहुंचे। विधायक नमन बिक्सल कोनगाडी ऐव फादर फ्रांसिस के द्वारा लोगों के साथ वृक्षारोपण भी किया गया। 29 जून रविवार को कोलेबिरा प्रखंड अंतर्गत शाहपुर जताटाड में तुरबुंगा अंतर्गत प्राकृतिक सुरक्षा एवं पर्यावरण बचाने के लिए तथा अच्छी बारिश तथा अच्छी खेती बाड़ी के लिए विशेष मिस्सा अनुष्ठान किया गया बताओ अतिथि विधायक ने लोगों को प्रकृति इसके साथ छेड़छाड़ नहीं करने परीक्षण को बचाने पर्यावरण को बचाने तथा खूब मेहनत कर कृषि कार्य करने तथा ईश्वर पर विश्वास करके प्रार्थना के साथ ईश्वर की सेवा आराधना करने के लिए लोगों को उत्साहित किया साथ में वृक्षारोपण किया। फादर फ्रांसिस के द्वारा चर्च में विशेष मिस्सा अनुष्ठान किया गया।

कार्यक्रम में विधायक के साथ अल्पसंख्यक अध्यक्ष रावेल लकड़ा प्रखंड अध्यक्ष सुलभ नेल्सन डुंगडुंग जिला उपाध्यक्ष श्यामलाल प्रसाद महीला नेत्री ऐरेन केरकेट्टा क्लरा डुंगडुंग सिस्टर लतिका सिस्टर अनुभा प्रचारक बारथोलोमी डुंगडुंगऔर पंचगण तथा चार मंडली के लोग उपस्थित रहे।

नशे की जड़ पर चोट, डीआईजी ने दिए सख्त निर्देश, माफिया पर करें कार्रवाई

पलामू प्रक्षेत्र में अफीम, गांजा और शराब के धंधेबाजों की खैर नहीं

बिनय मिश्रा

पलामू क्षेत्र में मादक पदार्थों की खेती, तस्करी और अवैध शराब के कारोबार पर अब पुलिस की आंख मूंदने की आदत नहीं चलेगी। पुलिस उपमहानिरीक्षक पलामू प्रक्षेत्र डालटनगंज ने स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए साफ कर दिया है, अब एक भी अपराधी बख्शा नहीं जाएगा। सभी थाना और ओपी प्रभारियों को सख्त लहजे में चेतावनी दी गई है कि यदि उनके इलाके में कोई भी नशे का कारोबार बिना कार्रवाई के चलता मिला, तो जिम्मेदार अधिकारी की खैर नहीं।

डीआईजी के अनुसार अफीम, गांजा, डोडा और देसी शराब की अवैध खेती व व्यापार न सिर्फ

कानून व्यवस्था को बिगाड़ रहे हैं बल्कि युवा पीढ़ी को भी गर्त में धकेल रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार इस मुद्दे को लेकर बेहद गंभीर है और अब सिर्फ खानापूर्ति से काम नहीं चलेगा।

आदेश में कहा गया है कि सीमावर्ती, जंगल, नदी किनारे और संदिग्ध गांवों में गश्ती बढ़ाई जाए, खुफिया तंत्र मजबूत हो और मुखबिरों को सक्रिय कर हर सूचना पर तुरंत कार्रवाई हो। यह भी निर्देश दिया गया है कि एनडीपीएस एक्ट व उत्पाद शुल्क अधिनियम के तहत दोषियों को बिना देर किए जेल भेजा जाए।

डीआईजी ने खास तौर पर यह भी कहा कि छापेमारी सिर्फ दिखावे की नहीं होनी चाहिए, बल्कि ठोस और असरदार होनी चाहिए। आम जनता को भी इस मुहिम में शामिल करने की अपील की गई है और पुलिस को बताया गया है कि जनता से मिली सूचना की गोपनीयता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।अगर थाना प्रभारी अब भी लापरवाही बरतते हैं, तो खुद उनके खिलाफ कार्रवाई तय है। नशे का धंधा अब ह्यकमाई का जरियाह्न नहीं, बल्कि नौकरी गंवाने का कारण बनेगा।

कांग्रेस प्रखंड से लेकर राज्य स्तर तक संगठन का चुनाव कराएगी

संवाददाता

भारतीय युवा कांग्रेस झारखंड में ब्लॉक, विधानसभा, जिला और राज्य स्तर पर सदस्यता और संगठनात्मक चुनाव कराने जा रही है।राहुल गांधी ने युवाओं को नेता चुनो नेता बनो का अवसर दी है। इस चुनाव के माध्यम से भारतीय युवा कांग्रेस देश का ऐसा पहला राजनीतिक संगठन है। जो आंतरिक चुनाव प्रक्रिया के जरिये योग्य नेतृत्व को सामने लाने का कार्य कर रही है। चुनाव पारदर्शिता, निष्पक्ष हो, युवाओं की भागीदारी बढ़े। वरीय नेतृत्व का यह एकमात्र सोच है। चुनाव ब्लॉक, विधानसभा, जिला एवं राज्य स्तर पर कराये जायेंगे। जिनका उद्देश्य युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से नेतृत्व का अवसर प्रदान करना है। चुनावी प्रक्रिया के माध्यम से ईमानदार, कर्मठ व समर्पित युवाओं को राजनीति की मुख्यधारा में लाना, संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करना व राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना राहुल गांधी का सोच है। चुनाव को लेकर सदस्यता व नामंकन की प्रकिर्या 21 जून से लांच हो चुकी है। नामांकन 28 जून से 3 जुलाई 2025 तक चलेगा। आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम 28 जून से 5 जुलाई तक है। नामांकन की अंतिम पुष्टि 9 जुलाई को होगी। उक्त जानकारी चुनाव के पीआरओ विपिन नेगी व युवा कांग्रेस के दछिनी छोटानागपुर चुनाव प्रभारी गौरव शर्मा ने दी।वे स्थानीय परिसदन में युवा कांग्रेस के चुनाव में भागीदारी लेने वाले युवा कांग्रेस के साथियों से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि चुनाव में भाग लेने के लिए आयु 18 से 35 वर्ष तय की गई है। जन्म तिथि 28 जून 1990 से 27 जून 2007 के बीच होनी चाहिए। इंडियन यूथ कांग्रेस की सदस्यता अनिवार्य है। आवेदन और जानकारी के लिए वेबसाइट पर जाना होगा। उन्होंने कहा कि देश में किसी भी राजनीतिक दल ने अब तक अपने किसी संगठन के लिए इस तरह के आंतरिक चुनाव नहीं कराए हैं। यह कदम राहुल गांधी के नेतृत्व में लिया गया। वे कांग्रेस की युवा शाखा और छात्र संगठन एनएसयूआई के प्रभारी रहे हैं। भारत में अब एक नया दौर शुरू हो रहा है। अब नेता नामांकित नहीं होंगे, बल्कि सीधे चुनाव से चुने जाएंगे। यह भारतीय राजनीति में ऐतिहासिक बदलाव है। इससे लोकतंत्र की असली प्रक्रिया सामने आएगी।झारखंड में युवक कांग्रेस के चुनाव सभी स्तरों पर होंगे। पार्टी का उद्देश्य है कि राज्य के हर कोने में संगठन को मजबूत किया जाए। चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए युवक कांग्रेस चुनाव प्राधिकरण से अनुरोध किया गया है। इसके लिए जोनल और राज्य स्तर पर रिटर्निंग ऑफिसर्स की टीम बनाई गई है। युवक कांग्रेस ने उन सभी युवाओं को आमंत्रित किया है जो ईमानदारी और समर्पण के साथ देश की सेवा करना चाहते हैं।

सड़क दुर्घटना में युवक घायल

साहिबगंज : मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र अंतर्गत आसानबोना मंडरो निवासी ताला बाबो मुर्मू के 17 वर्षीय पुत्र नितेश मुर्मू का बाइक से गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गया।जहां स्थानीय लोगों की मदद एवं परिजनों की मदद से आनन -फानन में इलाज हेतु सदर अस्पताल लाया गया।वही सदर अस्पताल में ड्यूटी पर रहे डॉक्टर मुकेश कुमार ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। वही घायल नितेश मुर्मू के दोस्त निर्मल हेंब्रम ने बताया कि भोगनाडीह बरहेट जाने के क्रम बीच रस्ते में ही संतुलन बिगड़ने से गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया।

हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा, 25 हजार रुपए लगा जुर्माना

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने सुनाई

सिमडेगाः पुलिस के वैज्ञानिक अनुसंधान एवं उत्कृष्ट अभियोजन के फलस्वरूप सभी गवाहों को ससमय न्यायालय में उपस्थित कराया गया, जिसके फलस्वरूप माननीय न्यायालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सिमडेगा के न्यायालय के द्वारा 30 जून को बानो थाना काण्ड सं0- 54/18, दिनांक-15 ।07 ।18 धारा-452/302 भा0द0वि0 के तहत अभियुक्त विक्रम सिंह, पिता-स्व0 भागीरथी सिंह, ग्राम-थोलकोबेड़ा, थाना- बानो, जिला-सिमडेगा को हत्या करने के आरोप में आरोप में आजीवन कारावास और 25000 पच्चीस हजार रू0 जुमार्ना से दंडित किया गया।

अभियोजन पक्ष से लोक अभियोजक श्री अमर कुमार चौधरी के द्वारा पैरवी की गयी।

उल्लेखनीय है कि, वादिनी मुन्नी देवी के फर्दबयान के आधार पर इनके सास, ससुर की धारदार हथियार से वार कर हत्या करने के आरोप में दिनांक- 15 ।07 ।18 को बानो थाना में दो अभियुक्तों यथा 1। संतोष सिंह, पिता- खिरोधर सिंह, 2। विक्रम सिंह, पिता- स्व0 भागीरथी सिंह, दोनों सा0-थोलकोबेड़ा, थाना- बानो, जिला-सिमडेगा के विरूद्ध बोनो थाना काण्ड सं0 54/18, दिनांक-15 ।07 ।18 दर्ज किया गया था तथा दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया था।

हूल दिवस पर डीसी व एसपी ने वीर शहीदों को किया नमन

दुमका : हूल दिवस के अवसर पर सोमवार को जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा एवं पुलिस अधीक्षक पीतांबर सिंह खेरवार ने वीर शहीदों को नमन किया. मौके पर उपस्थित उपायुक्त श्री सिन्हा एवं पुलिस अधीक्षक श्री खेरवार ने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध जनआंदोलन के महानायकों अमर शहीद सिदो-कान्हू, चाँद-भैरव एवं फूलो-झानो सहित समस्त वीर सेनानियों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि हूल आंदोलन आदिवासी समाज के स्वाभिमान, संघर्ष और बलिदान का प्रतीक है। यह दिवस हमें प्रेरणा देता है कि हम भी राष्ट्र की सेवा और समाज कल्याण के लिए सच्ची निष्ठा से कार्य करें। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पूर्वी सिंहभूम में कारोबारी से डेढ़ करोड़ की लूट, एक आरोपी बंगाल से गिरफ्तार

संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : जिला के घाटशिला अनुमंडल अंतर्गत चाकुलिया नगर पंचायत क्षेत्र के मिस्त्रीपाड़ा में सोमवार की देर रात एक बड़ी लूट की घटना घटी। तीन अज्ञात अपराधियों ने हथियार के बल पर प्राप्ति ज्वेलर्स के मालिक अरुण नंदी से डेढ़ करोड़ रुपये के आभूषण लूट लिए।

घर के बाहर दिया गया वारदात को अंजाम ज्वेलर्स मालिक रात में अपनी दुकान बंद कर स्कूटी पर सवार होकर घर के लिए निकला। इस दौरान उनके हाथ में दो बैग थे, जिसमें जेवरात और कैश मौजूद था। इस दौरान एक व्यक्ति दुकान पर रेकी कर रहा था, दूसरा व्यक्ति उनके घर के दरवाजे के पीछे छिपा हुआ था और एक व्यक्ति बाइक लेकर भागने की तैयारी में उन्हीं के घर के पास खड़ा था।

इस बीच जैसे ही ज्वेलर्स मालिक स्कूटी लेकर अपने घर पहुंचा, दरवाजे के पीछे छिपा व्यक्ति ने उसे चाकू दिखाकर बैग छिनने लगा। इसी बीच दूसरा व्यक्ति भी वहां आ गया और ज्वेलर्स मालिक को नीचे गिराकर दोनों बैग लेकर फरार हो गया। पीड़ित कारोबारी ने बताया कि उनके

बैग में करीब एक से डेढ़ किलो का सोना था, जिसकी बाजार में कीमत लगभग एक से डेढ़ करोड़ रुपए की है। साथ ही 50,000 रुपये नकद भी थे।

लूट की वारदात से इलाके में दहशत

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तीन अपराधी अचानक मौके पर पहुंचे और व्यवसायी अरुण नंदी पर हमला कर दिया। लुटेरों ने पहले उन्हें डराया फिर उनके हाथ से आभूषणों से भरा बैग छीन लिया और मौके से फरार हो गए। पूरी घटना कुछ ही मिनटों में हुई। इस वारदात के बाद इलाके के व्यापारियों और सरार्फा कारोबारियों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। व्यापारी संगठन ने प्रशासन से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की मांग की है।

सीमावर्ती क्षेत्रों पर निगरानी तेज

इस घटना की जानकारी मिलते ही चाकुलिया थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरों की तलाश शुरू कर दी है। चाकुलिया पुलिस आसपास के सभी सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। साथ ही पश्चिम बंगाल सीमा से जुड़े इलाकों में गश्त तेज कर दी गई है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए सभी संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

इस मामले को लेकर घाटशिला एसडीपीओ अजीत कुजूर ने फोन पर जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि इस लूट की घटना को बड़े प्रोफेशनल तरीके से अंजाम दिया गया है। हालांकि चाकुलिया थाना पुलिस के तुरंत कार्रवाई से उन्होंने बंगाल से एक संदिग्ध युवक को पूछताछ के लिए थाना लेकर आई है। फिलहाल उस युवक से पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में यह अंतरराज्यीय अपराधियों का गिरोह प्रतीत हो रहा है। उन्होंने कहा कि जल्द ही घटना में शामिल सभी आरोपियों को चिन्हित कर गिरफ्तार कर लिया जाएगा।